CBSE Class 12 Hindi Core Question Paper 2024 with Solution PDF-Set 2/5/3

Question Paper with Solutions

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)

निर्धारित समय: 3 Hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल 14 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
(ii) प्रश्न 13 में आंतरिक विकल्प दिया गया है; ऐसे प्रश्नों में केवल एक विकल्प का उत्तर दीजिए।
(iii) प्रश्नों में दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए उत्तर लिखिए।
(iv) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दर्शाए गए हैं।

1. तकनीक की हर नई छलांग उत्साह भी पैदा करती है और चिंता भी लाती है। 'डीपमाइंड' और 'ओपनएआई' जैसी कंपनियों द्वारा बनाए गए नए स्मार्ट चैटबॉट्स ने लोगों का मन मोह लिया है। इनमें इंसानों की तरह सवालों के जवाब देने की क्षमता है। ये बारीकियों की व्याख्या कर सकते हैं, साथ ही, तथ्यों को विश्वास के साथ साझा भी कर सकते हैं। ये चैटबॉट नए नहीं हैं। इंसानों के संवाद करने में सक्षम कंप्यूटर प्रोग्राम या चैटबॉट्स की अवधारणा का 1950 के दशक से ही एक इतिहास रहा है। शुरुआती चैटबॉट्स में से एक एलिजा है, जिसे 1960 के दशक में कंप्यूटर वैज्ञानिक जोसेफ वीजेनबाम ने प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी का परीक्षण करने के लिए बनाया था। यह कीवर्ड और वाक्यांशों का जवाब देकर सहज ढंग से संवाद कर सकता था। चैटजीपीटी को अभी तक का सबसे उन्नत चैटबॉट माना जा रहा है।

चैटजीपीटी को ओपनएआई द्वारा विकसित किया गया है। यह भाषा का एक मॉडल है, जो इंसानों की तरह ही प्रतिक्रिया करता है। कुछ चैटबॉट ज्यादा जटिल संवाद करने में भी सक्षम होते हैं और समय के साथ अपनी प्रतिक्रियाओं को बेहतर बनाने के लिए मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करते हैं। अभी चैटजीपीटी सहित अधिकांश चैटबॉट्स अपने लिए सूचनाएँ एक विशाल, लेकिन एक सीमित दायरे से ही प्राप्त करते हैं। जैसे चैटजीपीटी का ताजा संस्करण 2021 के अंत तक संचित हुई सूचनाओं तक सीमित है। चैटबॉट अपनी प्रतिक्रिया में कहीं अधिक मुखर हैं और किसी जिज्ञासा पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करते हैं जबकि ऐसा करना गूगल या बिंग के लिए मुश्किल है। हालाँकि, चैटजीपीटी की इंसानों जैसी प्रतिक्रिया में सूचना स्रोत का जिक्र नहीं होता और न ही कोई लिंक या उद्धरण दिया जाता है। इसके साथ आसान बातचीत ने दुनियाभर में धूम मचा दी है। उत्साही लोग तरह-तरह के सवाल पूछ रहे हैं। हर संवाद के साथ चैटबॉट का भी परीक्षण और प्रशिक्षण चल रहा है।

फिर भी एक चैटबॉट सब कुछ नहीं जानता, जबकि इसका इजहार या इसकी अभिव्यक्ति या लेखन इंसानों की तरह ही है। इसकी जानकारी गलत और दोषपूर्ण भी हो सकती है। इनको अभी भी कई बाधाओं या हदों को पार करना है, सूचनाओं को बढ़ाना है। कई भाषाओं के विकल्पों के साथ डिजिटल संचार पाठ से आवाज की ओर बढ़ रहा है। हर शब्द स्वरबद्ध होता जा रहा है। एलेक्सा जैसे सर्च इंजन और आवाज आधारित अन्य सहायकों से आगे जाने के लिए चैटबॉट्स को ज्यादा सूचनाओं की जरूरत पड़ेगी। लोगों की जिज्ञासाओं को शब्दों से ही नहीं स-स्वर शांत करना होगा।

स्पैरो चैटबॉट जीपीटी की तुलना में कुछ बेहतर है। जल्द ही गलत सवालों को पहचानने वाले चैटबॉट भी आ जाएँगे। अगर समझदारी से इस्तेमाल हुआ, तो चैटबॉट हमारे बहुत काम आएँगे। [10 अंक]

1(i). चैटबॉट्स से अभिप्राय है – [1 अंक]

(A) स्कूल में बच्चों को पढ़ाने वाली रोबोटिक मशीन

(B) अंतरिक्ष में छिपे रहस्यों का पता लगाने वाली मशीन

(C) ऐसी रोबोटिक मशीन जिससे मनुष्य बात कर सके

(D) ऐसी रोबोटिक मशीन जो मनुष्य का काम कर सके

सही उत्तर: (C) ऐसी रोबोटिक मशीन जिससे मनुष्य बात कर सके

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश का उत्तर उसी में दी गई सूचना और उसके प्रसंग के आधार पर चुनना चाहिए।
- विकल्प की शब्दावली को लेखक के आशय से मिलाकर सही और असंगत अर्थों में अंतर करें।

चरण 1: गद्यांश का प्रमाण गद्यांश में चैटबॉट्स को इंसानों से संवाद करने में सक्षम कंप्यूटर प्रोग्राम कहा गया है। इसलिए उनका निर्णायक गुण मनुष्य से बातचीत करना और प्रश्नों का उत्तर देना है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच विकल्प (A) विद्यालय में पढ़ाने तथा (B) अंतरिक्ष के रहस्य खोजने तक अर्थ सीमित करते हैं; गद्यांश ऐसा नहीं कहता। विकल्प (D) किसी भी मानवीय काम को करने का व्यापक अर्थ देता है, जबकि यहाँ विशेष रूप से संवाद की क्षमता बताई गई है।

चरण 3: निष्कर्ष ऐसी रोबोटिक मशीन जिससे मनुष्य बात कर सके। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के निर्णायक शब्द को रेखांकित करें, फिर उससे मेल खाता प्रमाण गद्यांश में खोजकर विकल्प चुनें।

1(ii). चैटबॉट्स द्वारा लोगों का मन मोहने का कारण इनमें से नहीं है : [1 अंक]

(A) इंसानों से संवाद करना।

(B) विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी जानकारी प्रदान करना।

(C) तथ्यों को विश्वसनीय ढंग से प्रस्तुत करना।

(D) सूचना के स्रोतों की जानकारी प्रदान करना।

सही उत्तर: (D) सूचना के स्रोतों की जानकारी प्रदान करना।

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश का उत्तर उसी में दी गई सूचना और उसके प्रसंग के आधार पर चुनना चाहिए।
- विकल्प की शब्दावली को लेखक के आशय से मिलाकर सही और असंगत अर्थों में अंतर करें।

चरण 1: गद्यांश का प्रमाण प्रश्न में "नहीं शब्द पर ध्यान देना आवश्यक है। गद्यांश स्पष्ट कहता है कि इंसानों जैसी प्रतिक्रिया में सूचना स्रोत का जिक्र नहीं होता और न ही कोई लिंक या उद्धरण दिया जाता है। इसलिए स्रोत बताना आकर्षण का कारण नहीं हो सकता।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच विकल्प (A) का संवाद करना, (B) की विविध जानकारी देना और (C) का तथ्यों को विश्वास के साथ प्रस्तुत करना गद्यांश में वर्णित क्षमताएँ हैं। ये लोगों का मन मोहने के कारण हैं; इसलिए इन्हें नकारात्मक प्रश्न का उत्तर नहीं चुनेंगे।

चरण 3: निष्कर्ष सूचना के स्रोतों की जानकारी प्रदान करना। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के निर्णायक शब्द को रेखांकित करें, फिर उससे मेल खाता प्रमाण गद्यांश में खोजकर विकल्प चुनें।

1(iii). गूगल या बिंग की तुलना में चैटबॉट्स के अधिक प्रभावशाली होने का कारण है – [1 अंक]

(A) उपयोगकर्ता के साथ सहज ढंग से संवाद करना।

(B) प्रतिक्रिया में मुखर होना और जिज्ञासा पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करना।

(C) छात्रों द्वारा अपना होमवर्क करने या निबंध लिखने में इसका प्रयोग करना।

(D) अपनी बात के समर्थन में सूचना स्रोत का उल्लेख करना।

सही उत्तर: (B) प्रतिक्रिया में मुखर होना और जिज्ञासा पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करना।

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश का उत्तर उसी में दी गई सूचना और उसके प्रसंग के आधार पर चुनना चाहिए।
- विकल्प की शब्दावली को लेखक के आशय से मिलाकर सही और असंगत अर्थों में अंतर करें।

चरण 1: गद्यांश का प्रमाण गद्यांश में बताया गया है कि चैटबॉट अपनी प्रतिक्रिया में अधिक मुखर हैं और किसी जिज्ञासा पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करते हैं। तुरंत बाद लेखक कहता है कि गूगल या बिंग के लिए ऐसा करना मुश्किल है। यही तुलना का सीधा आधार है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच विकल्प (A) सामान्य संवाद क्षमता बताता है, पर यहाँ पूछी गई विशिष्ट तुलना का पूरा आधार नहीं देता। विकल्प (C) में होमवर्क और निबंध के प्रयोग का उल्लेख इस गद्यांश में नहीं है। विकल्प (D) गलत है क्योंकि लेखक स्रोत या लिंक न दिए जाने की बात कहता है।

चरण 3: निष्कर्ष प्रतिक्रिया में मुखर होना और जिज्ञासा पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करना। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के निर्णायक शब्द को रेखांकित करें, फिर उससे मेल खाता प्रमाण गद्यांश में खोजकर विकल्प चुनें।

1(iv). निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

(I) चैटबॉट्स जटिल संवाद करने में सक्षम हैं।

(II) चैटबॉट्स का विकास मानव जीवन के एकाकीपन को दूर करने में सक्षम है।

(III) चैटबॉट्स मानव द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब अपने विवेक के आधार पर देता है।

(IV) भविष्य में चैटबॉट्स सही गलत को पहचानने में सक्षम होंगे।

गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही है/हैं ? [1 अंक]

(A) केवल कथन (I) सही है।

(B) केवल कथन (III) सही है।

(C) कथन (I) और (IV) सही हैं।

(D) कथन (II) और (III) सही हैं।

सही उत्तर: (C) कथन (I) और (IV) सही हैं।

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश का उत्तर उसी में दी गई सूचना और उसके प्रसंग के आधार पर चुनना चाहिए।
- विकल्प की शब्दावली को लेखक के आशय से मिलाकर सही और असंगत अर्थों में अंतर करें।

चरण 1: गद्यांश का प्रमाण कथन (I) सही है क्योंकि गद्यांश में कुछ चैटबॉटों को ज्यादा जटिल संवाद करने में सक्षम बताया गया है। कथन (IV) भी सही है; अंतिम अनुच्छेद में जल्द ही गलत सवालों को पहचानने वाले चैटबॉट आने की संभावना व्यक्त की गई है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच कथन (II) में एकाकीपन दूर करने की बात है, जिसका गद्यांश में प्रमाण नहीं है। कथन (III) में अपने विवेक से उत्तर देने का दावा है, जबकि पाठ संचित सूचनाओं और मशीन लर्निंग की चर्चा करता है। इसलिए (A) अधूरा तथा (B) और (D) असमर्थित कथनों पर आधारित हैं।

चरण 3: निष्कर्ष कथन (I) और (IV) सही हैं। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के निर्णायक शब्द को रेखांकित करें, फिर उससे मेल खाता प्रमाण गद्यांश में खोजकर विकल्प चुनें।

1(ix). निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : तकनीकी प्रगति उत्साह के साथ-साथ चिंता का कारण भी है।

कारण : यह जीवन को सरल बनाने के साथ जटिल बना रही है। [1 अंक]

(A) कथन सही है, कारण गलत है।

(B) कथन सही नहीं है, कारण सही है।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

सही उत्तर: (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश का उत्तर उसी में दी गई सूचना और उसके प्रसंग के आधार पर चुनना चाहिए।
- विकल्प की शब्दावली को लेखक के आशय से मिलाकर सही और असंगत अर्थों में अंतर करें।

चरण 1: कथन की जाँच गद्यांश की पहली पंक्ति बताती है कि तकनीक की हर नई छलांग उत्साह पैदा करती है और चिंता भी लाती है।

आगे संवाद की सुविधा के साथ दोषपूर्ण जानकारी की आशंका बताई गई है। इसलिए दिया गया कथन सही है।

चरण 2: कारण की जाँच चैटबॉट प्रश्नों के उत्तर और सहज बातचीत से जीवन सरल बनाते हैं। लेकिन सीमित सूचनाएँ, गलत जानकारी की संभावना और स्रोत न मिलने जैसी समस्याएँ नई जटिलताएँ पैदा करती हैं। इस प्रसंग में दिया गया कारण भी सही है।

चरण 3: व्याख्या के संबंध की जाँच जीवन सरल होने से उत्साह और नई जटिलताओं से चिंता पैदा होती है। इस प्रकार कारण कथन के दोनों पक्षों को स्पष्ट करता है। विकल्प (A) और (B) में एक को गलत कहा गया है तथा (C) में व्याख्या का संबंध नकारा गया है; ये तीनों उपयुक्त नहीं हैं।

चरण 4: निष्कर्ष कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के निर्णायक शब्द को रेखांकित करें, फिर उससे मेल खाता प्रमाण गद्यांश में खोजकर विकल्प चुनें।

1(v). 'एक चैटबॉट सब कुछ नहीं जानता' – लेखक के इस कथन का कारण है – [1 अंक]

(A) चैटबॉट द्वारा कभी-कभी गलत और दोषपूर्ण जानकारी देना।

(B) चैटबॉट में संचित सूचनाओं का सीमित दायरे में होना।

(C) चैटबॉट का हर संवाद के साथ परीक्षण और प्रशिक्षण चलना।

(D) इंसानों जैसी प्रतिक्रिया में लिंक या उदाहरण न दे पाना।

सही उत्तर: (B) चैटबॉट में संचित सूचनाओं का सीमित दायरे में होना।

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश का उत्तर उसी में दी गई सूचना और उसके प्रसंग के आधार पर चुनना चाहिए।
- विकल्प की शब्दावली को लेखक के आशय से मिलाकर सही और असंगत अर्थों में अंतर करें।

चरण 1: गद्यांश का प्रमाण लेखक बताता है कि अधिकांश चैटबॉट सूचनाएँ विशाल किंतु सीमित दायरे से प्राप्त करते हैं। जब जानकारी का संग्रह सीमित है तो वह हर विषय की हर बात नहीं जान सकता। "सब कुछ नहीं जानता का मूल कारण यही सीमा है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच विकल्प (A) में गलत या दोषपूर्ण उत्तर देना इस सीमित ज्ञान की समस्या का परिणाम है, मूल कारण नहीं। विकल्प (C) परीक्षण और प्रशिक्षण की प्रक्रिया बताता है। विकल्प (D) स्रोत या उदाहरण प्रस्तुत करने की कमी है; उससे अपने आप ज्ञान के समूचे दायरे का पता नहीं चलता।

चरण 3: निष्कर्ष चैटबॉट में संचित सूचनाओं का सीमित दायरे में होना। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के निर्णायक शब्द को रेखांकित करें, फिर उससे मेल खाता प्रमाण गद्यांश में खोजकर विकल्प चुनें।

1(vi). सबसे प्राचीन चैटबॉट का नाम है – [1 अंक]

(A) एलेक्सा

(B) एलिजा

(C) स्पैरो

(D) चैटजीपीटी

सही उत्तर: (B) एलिजा

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश का उत्तर उसी में दी गई सूचना और उसके प्रसंग के आधार पर चुनना चाहिए।
- विकल्प की शब्दावली को लेखक के आशय से मिलाकर सही और असंगत अर्थों में अंतर करें।

चरण 1: गद्यांश का प्रमाण गद्यांश में शुरुआती चैटबॉट्स में एलिजा का नाम दिया गया है। कंप्यूटर वैज्ञानिक जोसेफ वीजेनबाम ने इसे 1960 के दशक में प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के परीक्षण के लिए बनाया था। दिए गए नामों में यही सबसे प्राचीन है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच विकल्प (A) एलेक्सा का उल्लेख आवाज आधारित सहायक के रूप में है, प्राचीनतम चैटबॉट के रूप में नहीं। विकल्प (C) स्पैरो की तुलना नए चैटबॉट से की गई है। विकल्प (D) चैटजीपीटी को अभी तक का सबसे उन्नत चैटबॉट कहा गया है; उन्नत होने का अर्थ प्राचीनतम होना नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष एलिजा। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के निर्णायक शब्द को रेखांकित करें, फिर उससे मेल खाता प्रमाण गद्यांश में खोजकर विकल्प चुनें।

1(vii). चैटबॉट्स की सबसे बड़ी कमी है – [1 अंक]

(A) गलत सवालों को पहचानने की क्षमता का न होना।

(B) सूचनाओं का सीमित भंडार में होना।

(C) स्रोतों का हवाला देने की क्षमता का न होना।

(D) जानकारी के दोषपूर्ण होने की संभावना का होना।

सही उत्तर: (D) जानकारी के दोषपूर्ण होने की संभावना का होना।

हल:

अवधारणा:

- अपठित गद्यांश का उत्तर उसी में दी गई सूचना और उसके प्रसंग के आधार पर चुनना चाहिए।
- विकल्प की शब्दावली को लेखक के आशय से मिलाकर सही और असंगत अर्थों में अंतर करें।

चरण 1: गद्यांश का प्रमाण लेखक सावधान करता है कि चैटबॉट का लेखन इंसानों जैसा होने पर भी उसकी जानकारी गलत और दोषपूर्ण हो सकती है। प्रभावशाली भाषा के कारण ऐसा गलत उत्तर भी सही प्रतीत हो सकता है। इसलिए जानकारी की विश्वसनीयता पर यह खतरा सबसे बड़ी कमी है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच विकल्प (A) गलत प्रश्न पहचानने की वर्तमान सीमा, (B) संग्रह का सीमित होना और (C) स्रोत न देना भी पाठ में उल्लिखित कमियाँ हैं। किंतु प्रश्न सबसे बड़ी कमी पूछता है। उत्तर की जानकारी ही दोषपूर्ण हो तो उपयोगकर्ता भ्रमित होता है; इसलिए (D) प्रमुख सीमा को सर्वाधिक सीधे व्यक्त करता है।

चरण 3: निष्कर्ष जानकारी के दोषपूर्ण होने की संभावना का होना। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: पहले प्रश्न के निर्णायक शब्द को रेखांकित करें, फिर उससे मेल खाता प्रमाण गद्यांश में खोजकर विकल्प चुनें।

1(viii). एलिजा चैटबॉट की रचना की गई थी – [1 अंक]

(A) प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण हेतु

(B) मनुष्यों से संवाद करने हेतु

(C) मानवीय कार्यों में मदद करने हेतु

(D) सूचनाओं के भंडार-संकलन हेतु

सही उत्तर: (A) प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण हेतु

हल:

अवधारणा:

- गद्यांश में किसी उपकरण के निर्माण का उद्देश्य और उसकी क्षमता अलग-अलग पहचानी जाती हैं।
- प्रश्न में एलिजा की रचना का प्रयोजन पूछा गया है; इसलिए लेखक द्वारा दिया गया प्रत्यक्ष कारण निर्णायक है।

चरण 1: निर्माण के उद्देश्य को पहचानें लेखक बताता है कि जोसेफ वीजेनबाम ने एलिजा को प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी का परीक्षण करने के लिए बनाया था। अतः यहाँ निर्माण का संबंध भाषा को समझने और संसाधित करने के परीक्षण से है।

चरण 2: क्षमता और उद्देश्य में अंतर करें विकल्प (B) में संवाद करने की क्षमता है, जबकि प्रश्न निर्माण का विशिष्ट उद्देश्य पूछता है। (C) में मानवीय कार्यों की सामान्य सहायता का उल्लेख है, जो एलिजा की रचना का बताया गया कारण नहीं है। (D) का सूचना-भंडार संकलन भी गद्यांश में एलिजा के उद्देश्य के रूप में नहीं दिया गया है।

चरण 3: निष्कर्ष एलिजा की रचना प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण हेतु की गई थी। अतः सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: उद्देश्य पूछे जाने पर 'के लिए बनाया था' वाली पंक्ति खोजें; क्षमता बताने वाली अगली पंक्ति से भ्रमित न हों।

1(x). 'डिजिटल दुनिया पाठ से आवाज की ओर बढ़ रही है' – पंक्ति से अभिप्राय है – [1 अंक]

(A) लिखित शब्दों का महत्त्व कम हो रहा है।

(B) इस दुनिया में स्वरबद्ध शब्दों का महत्त्व बढ़ रहा है।

(C) यह दुनिया केवल स-स्वर शब्दों से जुड़ रही है।

(D) यह दुनिया लिखित छोड़ केवल मौखिक की ओर बढ़ रही है।

सही उत्तर: (B) इस दुनिया में स्वरबद्ध शब्दों का महत्त्व बढ़ रहा है।

हल:

अवधारणा:

- भावार्थ चुनते समय वाक्य की दिशा और उसकी सीमा दोनों सुरक्षित रखनी चाहिए।
- किसी माध्यम का बढ़ता उपयोग दूसरे माध्यम के पूर्ण अंत का प्रमाण नहीं होता।

चरण 1: संदर्भ की अगली पंक्ति पढ़ें गद्यांश में पाठ से आवाज की ओर बढ़ने के बाद 'हर शब्द स्वरबद्ध होता जा रहा है' कहा गया है। आगे लोगों की जिज्ञासाएँ स-स्वर शांत करने की आवश्यकता भी बताई गई है। इससे डिजिटल संचार में आवाज और बोले गए शब्दों की बढ़ती भूमिका स्पष्ट होती है।

चरण 2: अतिशयोक्तिपूर्ण विकल्प हटाएँ (A) लिखित शब्दों का महत्त्व कम होने का निष्कर्ष देता है, जो लेखक ने नहीं कहा। (C) का 'केवल' अन्य माध्यमों को पूरी तरह नकारता है। (D) भी लिखित संचार छोड़ देने की बात कहता है। ये दोनों कथन बढ़ते प्रयोग को पूर्ण प्रतिस्थापन मान लेते हैं।

चरण 3: निष्कर्ष डिजिटल दुनिया में स्वरबद्ध शब्दों का महत्त्व बढ़ रहा है। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: 'की ओर बढ़ना' को बढ़ती प्रवृत्ति समझें; 'केवल' और 'छोड़ देना' जैसे पूर्ण निषेध वाले विकल्प जाँचें।

2. शब्द तो आए बहुत बाद में
संख्याएँ हमारे साथ जन्म से ही हैं
गर्भ में जब
निर्माण हो रहा था हमारी हड्डियों का
रक्तकणों और कोशिकाओं का
साथ-साथ संख्याएँ भी निर्मित होती जा रही थीं
एक हमारी देह की इकाई की वो संख्या है
जिसमें समाहित हैं सारी संख्याएँ
दो आँखों में स्थित है दो
तीन है उँगलियों के तीन जड़ों में,
हृदय के हिस्से हैं चार
और पाँच का निवास
पाँच उँगलियों में है
आगे की सारी संख्याओं को
देह में तलाशना बहुत मज़ेदार खेल है
नौ को तो अमर कर गए कबीर
कि नौ द्वारे का पिंजरा ता में पंछी पौन.....
मुझे तो बहुत चकित करती है यह बात
कि देह की संख्याएँ आठ की संख्या निर्धारित करती है
क्योंकि आठ तरह से ही मुड़ती है यह देह
इसीलिए तो कृष्ण कहलाते हैं अष्टावक्र
सात रंग दिखते हैं आँखों को
और जीभ छह तरह के स्वादों को पहचानती है
इसीलिए तो भोजन को कहा गया षट्रस
देखिए एक से बना कैसा प्यारा शब्द
एका
एक जो दूसरे के बिना रह नहीं सकता
जिसके बिना संभव नहीं थी
इस दुनिया की शुरुआत
मैंने तो शुरू में ही कही थी यह बात
कि संख्याएँ शब्दों की पूर्वज हैं
शब्द तो आए बहुत बाद में
और आते ही चले जा रहे हैं
जबकि संख्याएँ सबकी सब आ चुकी हैं
क्या कोई नई संख्या बता सकते हैं आप। [5 अंक]

2(i). पद्यांश के आधार पर संख्याओं की क्या विशेषता है ? [1 अंक]

(A) हमारी देह का निर्माण संख्या के आधार पर हुआ है।

(B) संख्याओं का जन्म हमारे साथ ही हुआ है।

(C) संख्याओं का जन्म मनुष्य से पूर्व हुआ है।

(D) पूरे विश्व में संख्याएँ एक समान लिखी जाती हैं।

सही उत्तर: (B) संख्याओं का जन्म हमारे साथ ही हुआ है।

हल:

अवधारणा:

- पद्यांश पर आधारित तथ्यात्मक उत्तर के लिए कवि की स्पष्ट कथन-पंक्ति प्रमाण होती है।
- देह के अंगों के उदाहरण मुख्य कथन को स्पष्ट करते हैं; वे उसका स्थान नहीं लेते।

चरण 1: मुख्य कथन पहचानें पद्यांश की शुरुआत में कवि कहता है, 'संख्याएँ हमारे साथ जन्म से ही हैं।' आगे गर्भ में हड्डियों, रक्तकणों और कोशिकाओं के निर्माण के साथ संख्याओं के निर्मित होने का वर्णन है। इससे मनुष्य और संख्याओं का जन्मगत संबंध सामने आता है।

चरण 2: बाकी विकल्पों की सीमा जाँचें (A) देह का निर्माण संख्या के आधार पर होने का कारणात्मक दावा करता है; कवि साथ-साथ निर्माण की बात करता है। (C) मनुष्य से पहले संख्याओं के जन्म की बात कहता है, जबकि यहाँ 'हमारे साथ' कहा गया है। (D) में पूरे विश्व की लेखन-पद्धति की बात है, जिसका पद्यांश में उल्लेख नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष पद्यांश के अनुसार संख्याओं का जन्म हमारे साथ ही हुआ है। अतः सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: कविता के प्रारंभ की 'हमारे साथ जन्म से ही' अभिव्यक्ति को विकल्प की भाषा से सीधे मिलाएँ।

2(ii). 'एक हमारी देह की इकाई की वो संख्या है
जिसमें समाहित हैं सारी संख्याएँ' – का अर्थ है : [1 अंक]

(A) एक ही परम पिता में संपूर्ण ब्रह्मांड समाहित है।

(B) शरीर संख्याओं के योग से बना है।

(C) सारे अंगों का पोषण शरीर से होता है।

(D) हमारे शरीर में सारी संख्याएँ समाई हुई हैं।

सही उत्तर: (D) हमारे शरीर में सारी संख्याएँ समाई हुई हैं।

हल:

अवधारणा:

- काव्य-पंक्ति का आशय उसके बाद दिए गए बिंबों और उदाहरणों से स्पष्ट होता है।
- यहाँ देह एक इकाई है, जिसके विभिन्न अंग अलग-अलग संख्याओं का बोध कराते हैं।

चरण 1: देह के उदाहरणों से अर्थ निकालें कवि दो आँखों में दो, उँगलियों के जोड़ों में तीन, हृदय के हिस्सों में चार और पाँच उँगलियों में पाँच की उपस्थिति दिखाता है। इस प्रकार एक शरीर के भीतर अनेक संख्याएँ खोजी जा सकती हैं। 'सारी संख्याएँ' देह में समाई होने की काव्यात्मक कल्पना इसी क्रम से जुड़ी है।

चरण 2: असंबद्ध अर्थ अलग करें (A) परम पिता और ब्रह्मांड का आध्यात्मिक अर्थ जोड़ता है, जो इन पंक्तियों का संदर्भ नहीं है। (B) शरीर को संख्याओं का गणितीय योग बताता है, जबकि कवि देह में संख्याओं की उपस्थिति देखता है। (C) पोषण की जैविक प्रक्रिया बताता है; पंक्तियाँ अंगों के पोषण के विषय में नहीं हैं।

चरण 3: निष्कर्ष इन पंक्तियों का अर्थ है कि हमारे शरीर में सारी संख्याएँ समाई हुई हैं। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: 'समाहित' शब्द को आगे के आँखों, हृदय और उँगलियों वाले उदाहरणों से जोड़कर पढ़ें।

2(iii). कवि को कौन-सी बात आश्चर्यचकित करती है ? [1 अंक]

(A) श्रीकृष्ण को अष्टावक्र क्यों कहते हैं ?

(B) देह आठ तरह से क्यों मुड़ती है ?

(C) देह की संख्याएँ आठ की संख्या कैसे निर्धारित करती है ?

(D) संख्या और देह का परस्पर क्या संबंध है ?

सही उत्तर: (C) देह की संख्याएँ आठ की संख्या कैसे निर्धारित करती है ?

हल:

अवधारणा:

- भाव-बोध के प्रश्न में कवि जिस बात पर चकित होने का स्पष्ट संकेत दे, उसी को चुनना चाहिए।
- सामान्य विषय और आश्चर्य के विशिष्ट कारण में अंतर करना आवश्यक है।

चरण 1: चकित करने वाली पंक्ति खोजें कवि कहता है, 'मुझे तो बहुत चकित करती है यह बात' और उसके तुरंत बाद देह की संख्याओं द्वारा आठ की संख्या निर्धारित करने की बात आती है। अगली पंक्ति में देह के आठ तरह से मुड़ने का विवरण है। आश्चर्य का सीधा विषय उससे पहले व्यक्त देह और आठ की संख्या का निर्धारण है।

चरण 2: विकल्पों का सटीक मिलान करें (A) में कृष्ण के नामकरण का कारण पूछा गया है, जो आगे दिया गया उदाहरण है। (B) में देह के आठ तरह मुड़ने का प्रश्न है, जो कथन का आधार है। (D) संख्या और देह का सामान्य संबंध बताता है। इनमें से कोई भी 'यह बात' के बाद आने वाले विशिष्ट कथन को उतनी सटीकता से नहीं व्यक्त करता।

चरण 3: निष्कर्ष कवि को यह बात आश्चर्यचकित करती है कि देह की संख्याएँ आठ की संख्या कैसे निर्धारित करती हैं। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: 'चकित करती है यह बात' के तुरंत बाद आने वाली पंक्ति से विकल्प मिलाएँ; बाद के उदाहरण को मुख्य कथन न बनाएँ।

2(iv). 'नौ द्वारे का पिंजरा ता में पंछी पौन' – पंक्ति के संदर्भ में 'पिंजरा' शब्द से आशय है – [1 अंक]

(A) जीवन

(B) संसार

(C) आत्मा

(D) शरीर

सही उत्तर: (D) शरीर

हल:

अवधारणा:

- काव्य में प्रतीक का अर्थ उसके संदर्भ और संबद्ध बिंबों से निर्धारित होता है।
- इस पद्यांश का प्रसंग मनुष्य की देह और उसके अंगों में दिखाई देने वाली संख्याएँ हैं।

चरण 1: नौ द्वारों के संदर्भ को समझें 'नौ द्वारे का पिंजरा' में नौ द्वारों वाले आश्रय का संकेत देह की ओर है। कवि शरीर में संख्याएँ तलाशते हुए कबीर की इस पंक्ति को याद करता है। जैसे पिंजरे में पंछी रहता है, वैसे ही यहाँ शरीर को पिंजरे के रूप में प्रस्तुत किया गया

है।

चरण 2: पिंजरे और उसके निवासी को अलग रखें (C) आत्मा पिंजरे में रहने वाले पक्षी के प्रतीक से जुड़ सकती है, स्वयं पिंजरे से नहीं। (A) जीवन एक व्यापक अवस्था है और (B) संसार बाहरी जगत है। देह के अंगों तथा नौ द्वारों के तत्काल प्रसंग में ये दोनों अर्थ उपयुक्त नहीं हैं।

चरण 3: निष्कर्ष इस पंक्ति में 'पिंजरा' शब्द से शरीर का आशय है। अतः सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: 'पिंजरा' और 'पंछी' के प्रतीकों को अलग पहचानें; नौ द्वारों वाला बाहरी आश्रय शरीर है।

2(v). संख्याओं को शब्दों का पूर्वज क्यों कहा गया है ? [1 अंक]

(A) मनुष्य के साथ जन्म होने के कारण

(B) शब्दों को जन्म देने के कारण

(C) संख्याओं का जन्म शब्दों से पहले होने के कारण

(D) सभी संख्याओं का जन्म हो चुकने के कारण

सही उत्तर: (C) संख्याओं का जन्म शब्दों से पहले होने के कारण

हल:

अवधारणा:

- पूर्वज शब्द किसी के पहले के अस्तित्व या पहले आने का बोध कराता है।
- कवि संख्याओं और शब्दों के आगमन का क्रम बताकर दोनों की तुलना करता है।

चरण 1: आगमन का क्रम स्पष्ट करें पद्यांश में 'शब्द तो आए बहुत बाद में' कहा गया है। अंत में इसी विचार को 'संख्याएँ शब्दों की पूर्वज हैं' के रूप में दोहराया गया है। इसलिए पूर्वज कहने का आधार संख्याओं का शब्दों से पहले होना है; यहाँ शब्दों की उत्पत्ति की कोई जैविक प्रक्रिया नहीं बताई गई है।

चरण 2: अन्य कारणों को अलग करें (A) संख्याओं के मनुष्य के साथ जन्म का उल्लेख करता है, पर प्रश्न शब्दों के सापेक्ष पूर्वज होने का कारण पूछता है। (B) संख्याओं द्वारा शब्दों को जन्म देना बताता है, जो पद्यांश का कथन नहीं है। (D) सभी संख्याओं के आ चुकने की बात है, पर वह अपने आप पहले आने का कारण स्पष्ट नहीं करती।

चरण 3: निष्कर्ष संख्याओं का जन्म शब्दों से पहले हुआ है, इसलिए उन्हें शब्दों का पूर्वज कहा गया है। अतः सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: 'पूर्वज' में पहले होने का भाव पहचानें और उसे 'शब्द तो आए बहुत बाद में' से जोड़ें।

3(i). किशनदा की तरह घर-गृहस्थी का बबाल न पालकर जीवन समाज के नाम समर्पित करने की भावना यशोधर बाबू के मन में क्यों आती थी ? [1 अंक]

(A) पत्नी-बच्चों से मतभेद होने के कारण

(B) घर-गृहस्थी के जंजाल से थकने के कारण

(C) जीवन का मर्म समझ में आने के कारण

(D) परिवार से मोह भंग हो जाने के कारण

सही उत्तर: (A) पत्नी-बच्चों से मतभेद होने के कारण

हल:

अवधारणा:

- यशोधर बाबू की पुरानी जीवन-दृष्टि पत्नी और बच्चों की आधुनिक रुचियों से टकराती है। यह वैचारिक दूरी उनके मन में पारिवारिक जीवन के प्रति असंतोष जगाती है।
- पाठ के विशिष्ट प्रसंग से विकल्प का मिलान करें और अन्य विकल्पों की असंगति जाँचें।

चरण 1: कारण को प्रसंग से जोड़ें पत्नी और बच्चों से छोटी-छोटी बातों पर होने वाले मतभेदों के समय उन्हें किशनदा का अविवाहित, समाज को समर्पित जीवन अधिक अच्छा लगता है। प्रश्न इसी भावना के तत्काल कारण को पूछता है।

चरण 2: विकल्पों की जाँच करें (A) सीधे इस वैचारिक संघर्ष को बताता है। (B) केवल गृहस्थी के कामों से थकान को कारण मानता है, जो यहाँ निर्णायक नहीं है। (C) जीवन का मर्म समझ आने का सामान्य दावा है। (D) परिवार से पूर्ण मोहभंग कहता है, जबकि वे अब भी उससे भावनात्मक रूप से जुड़े हैं।

चरण 3: निष्कर्ष पत्नी-बच्चों से मतभेद होने के कारण यह भावना आती थी। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: कारण पूछे जाने पर यशोधर बाबू के तत्काल पारिवारिक मतभेदों को किशनदा के जीवन की स्मृति से जोड़ें।

3(ii). यशोधर बाबू ने डी.डी.ए. के फ़्लैट के लिए पैसा क्यों जमा नहीं किया था ? [1 अंक]

(A) वह रिटायरमेंट के बाद गाँव में बसना चाहते थे।

(B) उन्हें तीनों में किसी एक लड़के का सरकारी नौकरी में आने का विश्वास था।

(C) उनके पास फ़्लैट बुक कराने के लिए पैसे नहीं थे।

(D) वे योजनाबद्ध तरीके से काम नहीं करते थे।

सही उत्तर: (B) उन्हें तीनों में किसी एक लड़के का सरकारी नौकरी में आने का विश्वास था।

हल:

अवधारणा:

- यशोधर बाबू सरकारी आवास और स्थायी नौकरी की पुरानी व्यवस्था पर भरोसा करते हैं। उनका निर्णय उनके पुत्रों के भविष्य के बारे में इसी विश्वास से जुड़ा है।
- पाठ के विशिष्ट प्रसंग से विकल्प का मिलान करें और अन्य विकल्पों की असंगति जाँचें।

चरण 1: पाठ का कारण पहचानें उन्हें विश्वास था कि तीनों बेटों में से कोई एक सरकारी नौकरी में अवश्य आएगा। उससे सरकारी आवास मिलने की संभावना उन्हें अपने लिए अलग फ्लैट खरीदना आवश्यक नहीं लगने देती थी।

चरण 2: अन्य कारणों को अलग करें (B) उनके इसी विश्वास को व्यक्त करता है। (A) गाँव में बसने की योजना को कारण बताता है, जो इस निर्णय का आधार नहीं है। (C) धनाभाव को निर्णायक मानता है। (D) उनके व्यक्तित्व पर सामान्य टिप्पणी है; प्रश्न में पूछा गया विशिष्ट कारण नहीं बताता।

चरण 3: निष्कर्ष किसी एक लड़के के सरकारी नौकरी में आने का विश्वास होने के कारण उन्होंने पैसा जमा नहीं किया था। सही विकल्प

(B) है।

त्वरित सुझाव: फ्लैट न खरीदने के निर्णय को धन की कमी से जोड़ने के बजाय पुत्र की सरकारी नौकरी वाले विश्वास से जोड़ें।

3(iii). किशनदा कभी-कभी इस अनुरोध की रक्षा कर देते। – इस वाक्य में किस 'अनुरोध की रक्षा' की बात हो रही है ? [1 अंक]

(A) यशोधर बाबू को सुबह जल्दी उठाने की
(B) यशोधर बाबू को सुबह देर से उठाने की
(C) यशोधर बाबू के घर चाय-पीने की
(D) यशोधर बाबू के साथ सैर पर जाने की

सही उत्तर: (C) यशोधर बाबू के घर चाय-पीने की

हल:

अवधारणा:

- किसी उद्धृत वाक्य में संकेत करने वाले शब्द का अर्थ उसके ठीक पहले के प्रसंग से स्पष्ट होता है। यहाँ अनुरोध यशोधर बाबू की आत्मीय मेजबानी से संबंधित है।
- पाठ के विशिष्ट प्रसंग से विकल्प का मिलान करें और अन्य विकल्पों की असंगति जाँचें।

चरण 1: अनुरोध का आशय समझें सुबह सैर को निकले किशनदा से यशोधर बाबू घर पर चाय पीकर जाने का आग्रह करते थे। किशनदा कभी-कभी रुककर चाय पी लेते थे। इसी को अनुरोध की रक्षा करना कहा गया है।

चरण 2: चारों विकल्प जाँचें (C) चाय पीने के इसी निमंत्रण को बताता है। (A) जल्दी जगाने और (B) देर से जगाने की बात करते हैं; दोनों का उस आग्रह से संबंध नहीं है। (D) साथ सैर करने को अनुरोध मानता है, जबकि यहाँ आग्रह घर पर चाय पीने का था।

चरण 3: निष्कर्ष यशोधर बाबू के घर चाय पीने के अनुरोध की बात हो रही है। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: अनुरोध की रक्षा का अर्थ यहाँ आग्रह स्वीकार करना है; सुबह की सैर और घर की चाय के प्रसंग को याद रखें।

3(iv). निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प को चुनकर लिखिए :
कथन : यदि ईख को और कुछ दिन खेत में खड़ी रहने दिया जाए तो गुड़ जरा ज्यादा निकलता है।
कारण : देर तक खेत में खड़ी रहने वाली ईख में पानी की मात्रा कम होती है और रस गाढ़ा हो जाता है। [1 अंक]

(A) कथन सही है, कारण गलत है।
(B) कथन सही नहीं है, कारण सही है।
(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।
(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

सही उत्तर: (D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

हल:

अवधारणा:

- कथन-कारण प्रश्न में दोनों वाक्यों की सत्यता और उनके बीच व्याख्यात्मक संबंध अलग-अलग जाँचना चाहिए। यहाँ ईख की अवस्था और गुड़ की प्राप्ति का संबंध पूछा गया है।
- पाठ के विशिष्ट प्रसंग से विकल्प का मिलान करें और अन्य विकल्पों की असंगति जाँचें।

चरण 1: कथन की सत्यता जाँचें पाठ के प्रसंग में ईख को कुछ और दिन खेत में खड़ा रहने देने पर अधिक गुड़ मिलने की बात कही गई है। इसलिए दिया गया कथन सही है।

चरण 2: कारण की सत्यता जाँचें और समय तक खड़ी ईख में पानी का अनुपात कम होने और रस के अधिक गाढ़े होने की बात इसी प्रसंग की व्याख्या है। गाढ़े रस में मिठास वाले अंश का अनुपात अधिक होने से गुड़ की प्राप्ति बढ़ती है। अतः कारण भी सही है।

चरण 3: व्याख्यात्मक संबंध जाँचें कारण सीधे बताता है कि देर से काटी गई ईख से गुड़ अधिक क्यों निकलता है। इसलिए (A) और (B) में किसी एक वाक्य को गलत कहना अनुचित है। (C) भी गलत है, क्योंकि दोनों वाक्यों के बीच स्पष्ट कारण-संबंध है।

चरण 4: निष्कर्ष कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है। सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: पहले दोनों वाक्यों की सत्यता तय करें, फिर पूछें कि रस का गाढ़ापन अधिक गुड़ मिलने की वजह समझाता है या नहीं।

3(ix). निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है ? [1 अंक]

(A) बौद्ध स्तूप – पुराना लैंडस्केप

(B) गढ़ – महंतों की समाधियाँ

(C) महाकुंड – सामूहिक स्नान का अंग

(D) ग्रिडशैली – आड़ी-सीधी सड़कें

सही उत्तर: (B) गढ़ – महंतों की समाधियाँ

हल:

अवधारणा:

- सुमेलन के प्रश्न में प्रत्येक स्थल या शैली को उसकी पहचान से मिलाना होता है। यहाँ सही नहीं सुमेलित युग्म चुनना है, इसलिए निषेध पर ध्यान देना आवश्यक है।
- पाठ के विशिष्ट प्रसंग से विकल्प का मिलान करें और अन्य विकल्पों की असंगति जाँचें।

चरण 1: गलत संबंध पहचानें गढ़ नगर के ऊँचे, सुरक्षित भाग से जुड़ा स्थापत्य क्षेत्र है। उसे महंतों की समाधियों का पर्याय बताना पाठ के आशय से मेल नहीं खाता। अतः गढ़ और महंतों की समाधियों का युग्म असंगत है।

चरण 2: शेष युग्म जाँचें (A) में बौद्ध स्तूप का संबंध पुराने लैंडस्केप के दृश्य से है। (C) में महाकुंड सामूहिक स्नान से जुड़ा है। (D) में ग्रिडशैली सड़कों के नियोजित आड़े-सीधे विन्यास को सूचित करती है। ये तीनों युग्म प्रसंगानुकूल हैं; इन्हें गलत युग्म के रूप में नहीं चुनना चाहिए।

चरण 3: निष्कर्ष गढ़ – महंतों की समाधियाँ सही सुमेलित नहीं है। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: सही नहीं सुमेलित में गलत जोड़ी चुनें; गढ़ को ऊँचे नगर-भाग से और महाकुंड को सामूहिक स्नान से जोड़कर जाँचें।

3(v). 'अब तू बता, मैं का करूँ ?' – कथन से आनंदा के माँ के चरित्र की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है ? [1 अंक]

(A) दुर्बलता

(B) परवशता

(C) अक्षमता

(D) विवशता

सही उत्तर: (D) विवशता

हल:

अवधारणा:

- पात्र के कथन से उसका मनोभाव समझने के लिए उस पर पड़ रहे पारिवारिक दबाव और उसकी निर्णय लेने की स्थिति को देखना चाहिए। माँ की सहानुभूति होते हुए भी उसके हाथ बँधे हैं।
- पाठ के विशिष्ट प्रसंग से विकल्प का मिलान करें और अन्य विकल्पों की असंगति जाँचें।

चरण 1: कथन को परिस्थिति से जोड़ें आनंदा पढ़ना चाहता है, पर पिता उसे खेती के काम में लगाए रखना चाहते हैं। माँ बेटे की इच्छा समझती है, लेकिन पति के विरोध के सामने उसकी सहायता करने का रास्ता नहीं निकाल पा रही है। उसका प्रश्न इसी बेबसी को प्रकट करता है।

चरण 2: निकट अर्थ वाले विकल्प अलग करें (D) विवशता परिस्थिति के कारण कुछ न कर पाने की ठीक अभिव्यक्ति है। (A) दुर्बलता सामान्य कमजोरी है। (B) परवशता दूसरे के अधीन होने पर बल देती है, पर यहाँ प्रमुख भाव असहाय स्थिति है। (C) अक्षमता योग्यता के अभाव का संकेत है; माँ की समस्या योग्यता की नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष माँ के चरित्र की विवशता प्रकट होती है। सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: माँ की बेटे के प्रति सहानुभूति और पिता का विरोध साथ पढ़ें; कथन में झलकती बेबसी से विवशता पहचानें।

3(vi). कक्षा की बेंच पर बैठे आनंदा की तुलना किससे की गई है ? [1 अंक]

(A) खेती के काम से सुस्ताते पेड़ के नीचे बैठे लड़के से

(B) लड़कों की मार से घायल कौए के बच्चे से

(C) बस अड्डे पर पोटली सँभाले बस की प्रतीक्षा करते लड़के से

(D) रेलवे स्टेशन पर गाड़ी की प्रतीक्षा करने वाले लड़के से

सही उत्तर: (C) बस अड्डे पर पोटली सँभाले बस की प्रतीक्षा करते लड़के से

हल:

अवधारणा:

- उपमा में किसी परिचित दृश्य के माध्यम से पात्र की मनोदशा स्पष्ट की जाती है। आनंदा नई कक्षा में अपने पुराने अध्ययन-सामान के साथ अपरिचित और संकोचग्रस्त महसूस करता है।
- पाठ के विशिष्ट प्रसंग से विकल्प का मिलान करें और अन्य विकल्पों की असंगति जाँचें।

चरण 1: तुलना का दृश्य पहचानें बेंच के कोने में बैठे आनंदा के पास पुरानी किताबें और कापियाँ हैं। वह उन्हें सँभाले ऐसे बैठा है जैसे बस अड्डे पर कोई लड़का अपनी पोटली सँभाले बस की प्रतीक्षा कर रहा हो। यह दृश्य उसके अलग-थलग पड़ने की भावना स्पष्ट करता है।

चरण 2: विकल्पों से मिलान करें (C) में बस अड्डा, पोटली और प्रतीक्षा तीनों संकेत मिलते हैं। (A) खेती के काम से थककर आराम का दृश्य है। (B) घायल कौए के बच्चे की छवि इस बैठने की तुलना नहीं है। (D) प्रतीक्षा का भाव तो रखता है, लेकिन रेलवे स्टेशन पाठ में दी गई उपमा का स्थान नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष उसकी तुलना बस अड्डे पर पोटली सँभाले बस की प्रतीक्षा करते लड़के से की गई है। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: उपमा पहचानते समय केवल प्रतीक्षा न देखें; बस अड्डा और पोटली जैसे विशिष्ट संकेत भी विकल्प से मिलाएँ।

3(vii). 'मेरी ही पाठशाला मुझे चोंच मार-मार कर घायल कर रही थी।' – इस पंक्ति का आशय है – [1 अंक]

(A) पाठशाला में आनंदा की खिल्ली उड़ाई जा रही थी।

(B) पाठशाला में उसकी पिटाई की जा रही थी।

(C) पाठशाला में उसे कटु वचन कहे जा रहे थे।

(D) पाठशाला में उसे दण्डित किया जा रहा था।

सही उत्तर: (A) पाठशाला में आनंदा की खिल्ली उड़ाई जा रही थी।

हल:

अवधारणा:

- प्रसंग में उपहास से होने वाली मानसिक पीड़ा को समझना आवश्यक है।

चरण 1: रूपक का अर्थ पहचानें आनंदा पढ़ने की तीव्र इच्छा लेकर पाठशाला लौटा था। वहाँ सहपाठियों की हँसी और खिल्ली उसे भीतर तक चोट पहुँचाती थी। पाठशाला के चोंच मारने का कथन इसी मानसिक आघात का रूपक है; भवन सचमुच कोई क्रिया नहीं कर रहा था।

चरण 2: अन्य विकल्पों को परखें (B) में शारीरिक पिटाई और (D) में औपचारिक दंड की बात है, जबकि इस पंक्ति में चोट का आशय उपहास से है। (C) के कटु वचन सामान्य अप्रिय व्यवहार बताते हैं; यहाँ सहपाठियों द्वारा मजाक उड़ाए जाने का विशिष्ट प्रसंग निर्णायक है। इसलिए केवल दुख देने वाला शब्द देखकर विकल्प नहीं चुनना चाहिए।

चरण 3: निष्कर्ष पाठशाला में आनंदा की खिल्ली उड़ाई जा रही थी। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: चोंच मारने के रूपक को सहपाठियों के उपहास और आनंदा की मानसिक चोट से जोड़कर पढ़ें।

3(viii). 'महाकुंड' के विषय में निम्नलिखित में कौन-सा कथन <u>असत्य</u> है ? [1 अंक]

(A) कुंड के पानी के बंदोबस्त के लिए एक तरफ कुआँ है।

(B) महाकुंड के चारों तरफ साधुओं के कक्ष बने हुए हैं।

(C) कुंड से पानी की निकासी के लिए पक्की ईंटों से बनी नालियाँ हैं।

(D) कुंड से पानी के रिसाव को रोकने के लिए तल और दीवारों पर चिनाई की गई है।

सही उत्तर: (B) महाकुंड के चारों तरफ साधुओं के कक्ष बने हुए हैं।

हल:

अवधारणा:

- असत्य कथन चुनते समय पाठ में वर्णित निर्माण और उसके उपयोग का मिलान करना चाहिए।

चरण 1: महाकुंड की व्यवस्था पहचानें महाकुंड सामूहिक स्नान से संबंधित सुव्यवस्थित निर्माण था। पानी की व्यवस्था के लिए एक ओर कुआँ था। पानी निकालने के लिए पक्की ईंटों की नालियाँ थीं और रिसाव रोकने के लिए तल तथा दीवारों पर विशेष चिनाई की गई थी। ये विवरण तत्कालीन जल प्रबंधन की उन्नति बताते हैं।

चरण 2: असत्य विवरण अलग करें (A), (C) और (D) महाकुंड की जलापूर्ति, निकासी और जलरोधक व्यवस्था से मेल खाते हैं। (B) में चारों तरफ साधुओं के कक्ष बताए गए हैं, जो महाकुंड का सही विवरण नहीं है। साधुओं के कक्षों को बौद्ध स्तूप के प्रसंग से अलग रखना चाहिए; दोनों निर्माणों की विशेषताओं को आपस में नहीं मिलाना चाहिए।

चरण 3: निष्कर्ष असत्य कथन है: महाकुंड के चारों तरफ साधुओं के कक्ष बने हुए हैं। सही विकल्प (B) है।

त्वरित सुझाव: असत्य पूछे जाने पर जल प्रबंधन के सही विवरणों को हटाएँ और साधुओं के कक्ष वाला कथन चुनें।

3(x). मुअनजो-दड़ो के मिले अवशेषों में अपने मूल स्वरूप के नजदीक बचे निर्माण के रूप में है – [1 अंक]

(A) महाकुंड

(B) गढ़

(C) बौद्ध स्तूप

(D) उपासना केंद्र

सही उत्तर: (A) महाकुंड

हल:

अवधारणा:

- अवशेषों की पहचान में किसी निर्माण का वर्तमान संरक्षण और उसका मूल स्वरूप निर्णायक हैं।

चरण 1: पाठ का विशिष्ट विवरण समझें लेखक अनुष्ठानिक महाकुंड का वर्णन करते हुए बताता है कि यही निर्माण अपने मूल स्वरूप के बहुत निकट बचा रह सका है। उसके तल, सीढ़ियों और जल संबंधी व्यवस्था से उसके पुराने स्वरूप का स्पष्ट अनुमान मिलता है। प्रश्न इसी विशेष टिप्पणी पर आधारित है।

चरण 2: दूसरे निर्माणों से भेद करें (B) का गढ़ पूरे ऊँचे क्षेत्र से संबंधित है; उसे इस विशिष्ट रूप में संरक्षित निर्माण नहीं कहा गया है। (C) का बौद्ध स्तूप अलग काल और प्रसंग का निर्माण है। (D) का उपासना केंद्र भी यहाँ अपेक्षित संरचना नहीं है। किसी अवशेष का महत्त्वपूर्ण होना और उसका मूल स्वरूप के निकट बचना अलग बातें हैं।

चरण 3: निष्कर्ष अपने मूल स्वरूप के निकट बचा निर्माण महाकुंड है। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: मूल स्वरूप के निकट बचे निर्माण की पहचान करते समय महाकुंड के स्पष्ट वर्णन को याद करें।

4(i). प्रो. गुप्ता की लेखन में विशेष रुचि है, कॉलेज की पत्रिका के लिए वह लेख लिखते हैं। अब वह समाचार-पत्रों में अपना हाथ माँजना चाहते हैं। उन्हें किस शीर्षक के अंतर्गत अपने लेख भेजने चाहिए ? [1 अंक]

(A) संपादक के नाम पत्र

(B) संपादकीय

(C) स्तंभ लेखन

(D) प्रतिवेदन

सही उत्तर: (A) संपादक के नाम पत्र

हल:

अवधारणा:

- संपादक के नाम पत्र नए लेखकों को समाचार पत्र में लेखन का अभ्यास करने का अवसर देता है।
- प्रश्न में हाथ माँजने का आशय पत्रकारीय लेखन की शुरुआत करके अनुभव प्राप्त करना है।

चरण 1: प्रसंग के निर्णायक शब्द पहचानें प्रो. गुप्ता कॉलेज की पत्रिका में लिखते हैं, लेकिन समाचार पत्रों में शुरुआत करना चाहते हैं। प्रश्न में हाथ माँजना कहा गया है, अर्थात उन्हें समाचार पत्र के लिए लिखने का अभ्यास चाहिए। अभिव्यक्ति और माध्यम में संपादक के नाम पत्र का स्तंभ नए लेखकों के लिए लेखन की शुरुआत और अभ्यास का अवसर बताया गया है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की सीमा समझें (B) संपादकीय समाचार पत्र का अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। (C) स्तंभ लेखन सामान्यतः स्थापित और अनुभवी लेखकों को दिया जाता है; नए लेखक के अभ्यास की शुरुआत के लिए यह अपेक्षित उत्तर नहीं है। (D) प्रतिवेदन किसी घटना या आयोजन का विवरण है। (A) के माध्यम से लेखक समसामयिक मुद्दों पर अपनी राय भेजकर अखबारी लेखन का अभ्यास कर सकता है।

चरण 3: निष्कर्ष उन्हें संपादक के नाम पत्र शीर्षक के अंतर्गत अपनी रचनाएँ भेजनी चाहिए। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: हाथ माँजने या नए लेखक की शुरुआत का संकेत हो तो संपादक के नाम पत्र के स्तंभ को याद करें।

4(ii). जनसंचार के अन्य माध्यमों की तुलना में इंटरनेट पत्रकारिता के तेजी से लोकप्रिय होने के कारण हैं – [1 अंक]

(A) पढ़ने, सुनने और देखने की सुविधा का मिलना।

(B) खबरों का तीव्र गति से पहुँचना।

(C) सूचनाओं के विशाल भंडार का होना।

(D) खबरों के संप्रेषण और पुष्टि के लिए बैकग्राउंड तैयार कराने में सहायक होना।

सही उत्तर: (D) खबरों के संप्रेषण और पुष्टि के लिए बैकग्राउंड तैयार कराने में सहायक होना।

हल:

अवधारणा:

- इंटरनेट पत्रकारिता समाचार के संप्रेषण, पुष्टि और उसकी पृष्ठभूमि जुटाने में तुरंत सहायता देती है।
- लोकप्रियता का कारण पूछे जाने पर पत्रकारिता की पूरी कार्यप्रक्रिया से संबंधित विकल्प अधिक उपयुक्त है।

चरण 1: पत्रकारीय उपयोग पहचानें इंटरनेट से पत्रकार खबरों को तेजी से भेजने के साथ उनसे संबंधित सूचनाएँ खोज सकता है और उनकी पुष्टि के लिए सामग्री प्राप्त कर सकता है। किसी घटना को ठीक से समझाने के लिए आवश्यक पुरानी घटनाओं, तथ्यों और संदर्भों की पृष्ठभूमि भी तुरंत जुटाई जा सकती है। इससे पत्रकारिता की कार्यप्रक्रिया अधिक सुविधाजनक होती है।

चरण 2: विकल्पों की व्यापकता परखें (A) में पढ़ने, सुनने और देखने की बहुमाध्यमीय सुविधा, (B) में केवल गति तथा (C) में सूचना के विशाल भंडार की बात है। ये इंटरनेट के उपयोगी गुण हैं, लेकिन पत्रकारिता संबंधी लाभ का सबसे समग्र वर्णन नहीं करते। (D) खबरों के संप्रेषण, उनकी पुष्टि और पृष्ठभूमि सामग्री तैयार करने की सहायता को एक साथ व्यक्त करता है, इसलिए सर्वाधिक उपयुक्त है।

चरण 3: निष्कर्ष खबरों के संप्रेषण और पुष्टि तथा बैकग्राउंड तैयार करने में सहायता इसकी लोकप्रियता का प्रमुख कारण है। सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: इंटरनेट पत्रकारिता की लोकप्रियता में केवल गति नहीं, संप्रेषण, पुष्टि और पृष्ठभूमि सामग्री की संयुक्त सुविधा देखें।

4(iii). पाठकों, दर्शकों और श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए पत्रकारों द्वारा अपनाए जाने वाले विभिन्न रूप कहलाते हैं – [1 अंक]

(A) समाचार लेखन

(B) विचारपरक लेखन

(C) साहित्यिक लेखन

(D) पत्रकारीय लेखन

सही उत्तर: (D) पत्रकारीय लेखन

हल:

अवधारणा:

- पत्रकारीय लेखन सूचना, समाचार, विचार और विश्लेषण के विभिन्न प्रस्तुति रूपों का व्यापक नाम है।

चरण 1: प्रश्न के व्यापक आशय को समझें पत्रकार पाठकों, दर्शकों और श्रोताओं तक सूचना पहुँचाने के लिए समाचार, रिपोर्ट, फीचर, साक्षात्कार और विचारपरक सामग्री जैसे विविध रूप अपनाते हैं। इन सभी को समेटने वाला व्यापक नाम पत्रकारीय लेखन है। यहाँ किसी एक विशेष विधा का नाम नहीं पूछा गया है।

चरण 2: विशिष्ट और व्यापक रूप अलग करें (A) समाचार लेखन पत्रकारीय लेखन का एक प्रमुख रूप है, पर सभी रूपों को नहीं समेटता। (B) विचारपरक लेखन टिप्पणी और विश्लेषण से जुड़ा सीमित क्षेत्र है। (C) साहित्यिक लेखन का उद्देश्य और स्वरूप अलग हो सकता है। (D) पत्रकारीय लेखन प्रश्न में बताए गए सभी माध्यमों और प्रस्तुति रूपों के लिए उपयुक्त व्यापक संज्ञा है।

चरण 3: निष्कर्ष ये विभिन्न रूप पत्रकारीय लेखन कहलाते हैं। सही विकल्प (D) है।

त्वरित सुझाव: विभिन्न रूपों का सामूहिक नाम पूछा जाए तो किसी एक विधा के बजाय व्यापक श्रेणी चुनें।

4(iv). साक्षात्कार को किस रूप में लिखा जा सकता है ? [1 अंक]

(A) सवाल जवाब के रूप में

(B) आलेख के रूप में

(C) और (B) दोनों रूप में

(D) और (B) दोनों रूपों में से कोई नहीं

सही उत्तर: (C) और (B) दोनों रूप में

हल:

अवधारणा:

- साक्षात्कार को प्रश्नोत्तर और आलेख, दोनों स्वीकृत शैलियों में प्रस्तुत किया जा सकता है।

चरण 1: प्रश्नोत्तर शैली समझें सवाल जवाब के रूप में साक्षात्कार लिखते समय प्रश्न और संबंधित उत्तर क्रम से दिए जाते हैं। इससे बातचीत का प्रत्यक्ष स्वरूप बना रहता है और पाठक आसानी से जान पाता है कि किस प्रश्न पर व्यक्ति ने क्या कहा। इसलिए विकल्प (A) में बताई गई शैली उचित है।

चरण 2: आलेख शैली से तुलना करें आलेख के रूप में साक्षात्कार लिखते समय बातचीत की सामग्री को विषय और विचारों के क्रम में व्यवस्थित किया जाता है। आवश्यक कथन और वक्ता का परिचय विवरण में जोड़े जा सकते हैं। अत: (B) भी सही शैली है। केवल (A) या केवल (B) चुनने से दूसरी स्वीकृत शैली छूटती है और (D) दोनों को अस्वीकार करता है, इसलिए वह अनुचित है।

चरण 3: निष्कर्ष साक्षात्कार सवाल जवाब तथा आलेख, दोनों रूपों में लिखा जा सकता है। सही विकल्प (C) है।

त्वरित सुझाव: साक्षात्कार की विषयवस्तु एक ही रह सकती है; उसका लेखन प्रश्नोत्तर या आलेख किसी भी शैली में संभव है।

4(v). पत्रकारीय लेखन का सबसे जाना-माना रूप क्या होता है ? [1 अंक]

(A) फीचर

(B) समाचार

(C) स्तंभ

(D) आलेख

सही उत्तर: (B) समाचार

हल:

अवधारणा:

- समाचार पत्रकारिता का सबसे व्यापक और परिचित रूप है। इसमें समसामयिक घटनाओं की तथ्यपरक जानकारी पाठकों तक पहुँचाई जाती है।
- प्रसंग और विकल्पों की तुलना से सटीक उत्तर की पुष्टि की जाती है।

चरण 1: समाचार की पहचान पत्रकारिता में नई और सार्वजनिक महत्त्व की घटनाओं का संक्षिप्त, स्पष्ट तथा तथ्यपरक विवरण समाचार कहलाता है। अखबारों का बड़ा भाग समाचारों से बनता है, इसलिए यह पत्रकारीय लेखन का सर्वाधिक जाना-माना रूप है।

चरण 2: शेष रूपों का अंतर फीचर विषय को रोचक और मानवीय दृष्टि से प्रस्तुत करता है। स्तंभ किसी निश्चित स्थान पर नियमित लेखन है। आलेख किसी विषय पर विस्तार और विश्लेषण देता है। ये भी पत्रकारीय रूप हैं, पर प्रश्न में सर्वाधिक परिचित मूल रूप पूछा गया है।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (B) है — समाचार।

त्वरित सुझाव: सबसे जाना-माना रूप पूछे जाने पर दैनिक अखबार की मुख्य तथ्यपरक सामग्री, समाचार, को पहचानें।

5. हरषि राम भेटेउ हनुमाना। अति कृतग्य प्रभु परम सुजाना।।
तुरत बैद तब कीन्हि उपाई। उठि बैठे लछिमन हरषाई।।
हृदयँ लाइ प्रभु भेंटेउ भ्राता। हरषे सकल भालु कपि ब्राता।।
कपि पुनि बैद तहाँ पहुँचावा। जेहि बिधि तबहिं ताहि लइ आवा।।
यह बृत्तांत दसानन सुनेऊ। अति बिषाद पुनि पुनि सिर धुनेऊ।।
ब्याकुल कुंभकरन पहिं आवा। बिबिध जतन करि ताहि जगावा।। [5 अंक]

5(i). राम ने हनुमान के प्रति कृतज्ञता क्यों प्रकट की ? [1 अंक]

(A) सीता का पता लगाने के कारण
(B) समय पर संजीवनी बूटी लाने के कारण
(C) अपने स्वभाव की विनम्रता के कारण
(D) वैद्य को लंका से लाने के कारण

सही उत्तर: (B) समय पर संजीवनी बूटी लाने के कारण

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश में राम की कृतज्ञता को लक्ष्मण के उपचार और हनुमान की समयोचित सहायता के प्रसंग से जोड़ना आवश्यक है।
- प्रसंग और विकल्पों की तुलना से सटीक उत्तर की पुष्टि की जाती है।

चरण 1: प्रसंग का संबंध राम हर्षपूर्वक हनुमान से मिलते हैं और उनके उपकार के प्रति कृतज्ञ होते हैं। इसके तुरंत बाद वैद्य उपचार करता है और लक्ष्मण प्रसन्न होकर उठ बैठते हैं। यह क्रम हनुमान द्वारा समय पर जीवनरक्षक औषधि लाने के उपकार की ओर संकेत करता है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण सीता का पता लगाना दूसरे प्रसंग की घटना है। राम की विनम्रता उनका गुण है, पर यहाँ कृतज्ञता का तात्कालिक कारण नहीं है। वैद्य को लाना सहायता का एक भाग है, किंतु इस प्रसंग में निर्णायक कार्य समय पर संजीवनी पहुँचाना है।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (B) है — समय पर संजीवनी बूटी लाने के कारण।

त्वरित सुझाव: कृतज्ञता का कारण चुनते समय उसके बाद वर्णित उपचार और लक्ष्मण के उठ बैठने के क्रम को जोड़ें।

5(ii). भालू और कपि समूह की प्रसन्नता का कारण था – [1 अंक]

(A) राम का हनुमान को गले लगाना।
(B) हनुमान का सुषैन वैद्य को लाना।
(C) हनुमान का संजीवनी बूटी लाना।
(D) लक्ष्मण का स्वस्थ होना।

सही उत्तर: (D) लक्ष्मण का स्वस्थ होना।

हल:

अवधारणा:

- काव्यांश में सामूहिक हर्ष के कारण को उससे ठीक पहले वर्णित घटना से पहचानना है।
- प्रसंग और विकल्पों की तुलना से सटीक उत्तर की पुष्टि की जाती है।

चरण 1: निर्णायक पंक्तियाँ वैद्य के उपचार के बाद कहा गया है, 'उठि बैठे लछिमन हरषाई'। फिर राम अपने भाई को हृदय से लगाते हैं और 'हरषे सकल भालु कपि ब्राता' आता है। इससे स्पष्ट है कि सबकी प्रसन्नता लक्ष्मण के स्वस्थ होकर उठ बैठने से जुड़ी है।

चरण 2: अन्य विकल्पों का अंतर राम का हनुमान को गले लगाना पहले की घटना है। वैद्य और संजीवनी लाना उपचार के साधन हैं; वे

लक्ष्मण को बचाने के उद्देश्य से किए गए थे। सामूहिक उल्लास का प्रत्यक्ष कारण उपचार की सफलता अर्थात लक्ष्मण का स्वस्थ होना है।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (D) है — लक्ष्मण का स्वस्थ होना।

त्वरित सुझाव: भाव या प्रतिक्रिया का कारण खोजने के लिए उसके ठीक पहले पूरी हुई घटना पर ध्यान दें।

5(iii). रावण द्वारा कौन-सा वृत्तांत सुना गया ? [1 अंक]

(A) लक्ष्मण के मूर्च्छित होने का

(B) राम के समुद्र पार आने का

(C) हनुमान द्वारा वैद्य ले जाने का

(D) लक्ष्मण की मूर्च्छा भंग होने का

सही उत्तर: (D) लक्ष्मण की मूर्च्छा भंग होने का

हल:

अवधारणा:

- 'यह बृत्तांत' जैसे संकेत पद का अर्थ उससे पहले वर्णित घटनाओं की शृंखला से निर्धारित होता है।
- प्रसंग और विकल्पों की तुलना से सटीक उत्तर की पुष्टि की जाती है।

चरण 1: संकेत का संदर्भ काव्यांश में वैद्य उपचार करता है, लक्ष्मण हर्षित होकर उठ बैठते हैं और राम उन्हें हृदय से लगाते हैं। इसके बाद रावण के यह वृत्तांत सुनने की बात है। अतः समाचार लक्ष्मण की मूर्च्छा दूर होने और उनके पुनः स्वस्थ होने का है।

चरण 2: दूसरे विकल्प क्यों नहीं लक्ष्मण का मूर्च्छित होना पहले की स्थिति थी, जिसका यहाँ अंत हुआ है। राम का समुद्र पार आना इस अंश की घटना नहीं है। वैद्य को वापस पहुँचाने का उल्लेख अवश्य है, पर रावण के विषाद का निर्णायक कारण लक्ष्मण का बच जाना है।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (D) है — लक्ष्मण की मूर्च्छा भंग होने का।

त्वरित सुझाव: 'यह वृत्तांत' का संदर्भ चुनते समय वर्णित मुख्य परिणाम और उससे उत्पन्न प्रतिक्रिया को साथ पढ़ें।

5(iv). निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : दुखी रावण बार-बार सिर धुन कर पछता रहा था।

कारण : विजय की आशाओं पर पानी फिरता दिख रहा था। [1 अंक]

(A) कथन सही है, कारण गलत है।

(B) कथन सही नहीं है, कारण सही है।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, किंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

सही उत्तर: (D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

हल:

अवधारणा:

- कथन-कारण प्रश्न में कथन की सत्यता, कारण की सत्यता और दोनों का व्याख्यात्मक संबंध अलग-अलग जाँचना चाहिए।
- रावण की प्रतिक्रिया को लक्ष्मण के स्वस्थ होने से उत्पन्न युद्ध की स्थिति से जोड़ना आवश्यक है।

चरण 1: कथन की जाँच काव्यांश में 'अति बिषाद पुनि पुनि सिर धुनेऊ' कहा गया है। इससे स्पष्ट है कि रावण अत्यंत दुखी होकर बार-बार

सिर धुन रहा था। अतः कथन सही है और उसके भाव का सीधा आधार काव्यांश में मिलता है।

चरण 2: कारण की जाँच लक्ष्मण की मूर्च्छा भंग हो गई और राम की सेना हर्ष से भर उठी। लक्ष्मण के पुनः युद्ध के योग्य होने से रावण की विजय की आशा कमजोर हुई। इसलिए विजय की आशाओं पर पानी फिरता दिखना भी प्रसंगानुसार सही कारण है।

चरण 3: व्याख्यात्मक संबंध विजय की आशा को पहुँचे इसी आघात से रावण का विषाद और सिर धुनना समझ में आता है। अतः कारण कथन की सही व्याख्या करता है। (A) और (B) में एक पक्ष गलत बताया गया है; (C) दोनों को सही मानता है, पर उनके प्रत्यक्ष संबंध को नकारता है।

चरण 4: निष्कर्ष सही विकल्प (D) है — कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

त्वरित सुझाव: दोनों वाक्य सही मिलने पर भी रुकें नहीं; देखें कि कारण वास्तव में कथन में व्यक्त प्रतिक्रिया को समझाता है या नहीं।

5(v). व्याकुल रावण कुंभकरण के पास क्यों गया होगा ? [1 अंक]

(A) अपना दुख बाँटने

(B) युद्ध में सहायता पाने

(C) युद्ध में हुई हानि का वर्णन करने

(D) राम की सेना द्वारा किए जाने वाले विनाश का वर्णन करने

सही उत्तर: (B) युद्ध में सहायता पाने

हल:

अवधारणा:

- पात्र के उद्देश्य को तत्कालीन संकट, उसकी प्रतिक्रिया और उसके बाद किए गए प्रयत्नों से समझना है।
- प्रसंग और विकल्पों की तुलना से सटीक उत्तर की पुष्टि की जाती है।

चरण 1: रावण की स्थिति लक्ष्मण के स्वस्थ होने का वृत्तांत सुनकर रावण अत्यंत दुखी होता है और बार-बार सिर धुनता है। राम की सेना को मिली राहत से उसकी विजय की आशा को आघात पहुँचा है। इसी व्याकुलता में वह कुंभकरण के पास जाकर उसे जगाने के अनेक प्रयत्न करता है।

चरण 2: विकल्पों का परीक्षण सोए हुए कुंभकरण को विशेष प्रयत्न से जगाने का उद्देश्य युद्ध में उसकी शक्ति और सहायता प्राप्त करना है। केवल दुख बाँटना, हानि बताना या सेना के विनाश का वर्णन करना इस युद्धकालीन प्रयत्न का मुख्य उद्देश्य नहीं हो सकता।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (B) है — युद्ध में सहायता पाने।

त्वरित सुझाव: किसी पात्र की मंशा पूछे जाने पर उसके अगले ठोस कार्य को देखें; यहाँ कुंभकरण को जगाना युद्ध-सहायता का संकेत है।

---

6. पिता का उस पर अगाध प्रेम होने के कारण स्वभावतः ईर्ष्यालु और संपत्ति की रक्षा में सतर्क विमाता ने मरणांतक रोग का समाचार तब भेजा, जब वह मृत्यु की सूचना भी बन चुका था। रोने-पीटने के अपशकुन से बचने के लिए सास ने भी उसे कुछ न बताया। बहुत दिन से नैहर नहीं गई, सो जाकर देख आवे, यही कहकर और पहना-उढ़ाकर सास ने उसे विदा कर दिया। इस अप्रत्याशित अनुग्रह ने उसके पैरों में जो पंख लगा दिए थे, वे गाँव की सीमा में पहुँचते ही झड़ गए। 'हाय लछमिन अब आई' की अस्पष्ट पुनरावृत्तियाँ और स्पष्ट सहानुभूतिपूर्ण दृष्टियाँ उसे घर तक ठेल ले गईं। पर वहाँ न पिता का चिहन शेष था, न विमाता के व्यवहार में शिष्टाचार का लेश था। दुख से शिथिल और अपमान से जलती हुई वह उस घर में पानी भी बिना पिए उलटे पैरों ससुराल लौट पड़ी। सास को खरी खोटी सुनाकर उसने विमाता पर आया हुआ क्रोध शांत किया और पति के ऊपर गहने फेंक-फेंककर उसने पिता के चिर बिछोह की मर्मव्यथा व्यक्त की। [5 अंक]

6(i). विमाता द्वारा भक्तिन के पास उसके पिता की मृत्यु का समाचार देर से पहुँचाने का कारण क्या नहीं है ? [1 अंक]

(A) पिता का उस पर अगाध प्रेम होना।

(B) संपत्ति उसके नाम किए जाने का भय होना।

(C) उसके रोने-पीटने से अपशकुन होना।

(D) मन ही मन भक्तिन से ईर्ष्या होना।

सही उत्तर: (C) उसके रोने-पीटने से अपशकुन होना।

हल:

अवधारणा:

- निषेधात्मक प्रश्न में उस विकल्प को चुनना है जो संबंधित पात्र के व्यवहार का कारण नहीं है। विमाता और सास के कारण अलग हैं।
- प्रसंग और विकल्पों की तुलना से सटीक उत्तर की पुष्टि की जाती है।

चरण 1: विमाता के कारण गद्यांश विमाता को स्वभावतः ईर्ष्यालु और संपत्ति की रक्षा में सतर्क बताता है। पिता का भक्तिन के प्रति अगाध प्रेम उसकी ईर्ष्या बढ़ाता है। इसलिए पिता का प्रेम, संपत्ति संबंधी भय और भक्तिन से ईर्ष्या समाचार देर से भेजने के उसके कारणों से संबंधित हैं।

चरण 2: सास के कारण को अलग रखें 'रोने-पीटने के अपशकुन से बचने के लिए सास ने भी उसे कुछ न बताया' में अपशकुन का भय सास के व्यवहार का कारण है। इसे विमाता का कारण नहीं माना जा सकता। इसलिए (A), (B) और (D) के विपरीत (C) प्रश्न के निषेध को पूरा करता है।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (C) है — उसके रोने-पीटने से अपशकुन होना।

त्वरित सुझाव: प्रश्न में 'नहीं' को रेखांकित करें और हर कारण के साथ उसका संबंधित पात्र अवश्य पहचानें।

6(ii). 'पैरों के पंख गाँव की सीमा में पहुँचते ही झड़ गए।' – पंक्ति का आशय है – [1 अंक]

(A) खुशी का समाप्त हो जाना

(B) थकावट का अनुभव हो जाना

(C) असलियत का पता लगना

(D) पैरों की गति शिथिल होना

सही उत्तर: (A) खुशी का समाप्त हो जाना

हल:

अवधारणा:

- आलंकारिक अभिव्यक्ति का आशय प्रसंग के भाव-परिवर्तन से समझना चाहिए, केवल शाब्दिक गति से नहीं।
- प्रसंग और विकल्पों की तुलना से सटीक उत्तर की पुष्टि की जाती है।

चरण 1: पहले का उत्साह सास ने अप्रत्याशित रूप से मायके जाने की अनुमति देकर भक्तिन को विदा किया। पिता से मिलने की आशा

में उसका मन आनंद और उत्साह से भर गया। 'पैरों में पंख' इसी उमंग और जल्दी मायके पहुँचने की इच्छा का संकेत है।

चरण 2: सीमा पर भाव-परिवर्तन गाँव की सीमा पर लोगों की सहानुभूतिपूर्ण दृष्टियों और 'हाय लछमिन अब आई' सुनकर अनिष्ट का संकेत मिला। उसका उत्साह तत्काल समाप्त हो गया। थकावट या पैरों की गति का शिथिल होना शाब्दिक अर्थ है; असलियत का आभास कारण है, जबकि पंक्ति का मुख्य भाव खुशी समाप्त होना है।

चरण 3: निष्कर्ष सही विकल्प (A) है — खुशी का समाप्त हो जाना।

त्वरित सुझाव: रूपक का आशय चुनते समय बाहरी घटना के बजाय उससे व्यक्त मन की अवस्था को प्राथमिकता दें।

6(iii). 'हाय लछमिन अब आई' – गाँववालों द्वारा कहे गए ये शब्द प्रकट करते हैं – [1 अंक]

(A) उसके प्रति सहानुभूति

(B) उसके प्रति ममता

(C) उसके प्रति दुख

(D) उसके प्रति उपहास

सही उत्तर: (A) उसके प्रति सहानुभूति

हल:

अवधारणा:

- कथन का भाव उसके प्रसंग तथा कथावाचक के वर्णन से निर्धारित होता है।
- पिता को खो चुकी पुत्री के प्रति गाँववालों की दृष्टि में करुणा और सहानुभूति है।

चरण 1: प्रसंग का संकेत भक्तिन को पिता की मृत्यु का समाचार समय पर नहीं मिला था। उसके आने पर गाँववालों का कहना कि वह अब आई, उसके देर से पहुँचने की दुखद स्थिति की ओर संकेत करता है। गद्यांश स्वयं उनकी दृष्टियों को सहानुभूतिपूर्ण कहता है।

चरण 2: अन्य विकल्पों की जाँच विकल्प (B) की ममता में अपनत्व और वात्सल्य प्रमुख होता, जबकि यहाँ उसकी पीड़ा के प्रति संवेदना है। विकल्प (C) में केवल दुख है, पर कथन विशेष रूप से भक्तिन के प्रति सहानुभूति प्रकट करता है। विकल्प (D) का उपहास प्रसंग के सर्वथा विपरीत है; कोई उसका मजाक नहीं उड़ा रहा।

चरण 3: निष्कर्ष गाँववालों के शब्द भक्तिन के प्रति सहानुभूति प्रकट करते हैं। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: भाव-संबंधी विकल्प चुनते समय गद्यांश के स्पष्ट विशेषण को कथन से जोड़ें; यहाँ सहानुभूतिपूर्ण निर्णायक शब्द है।

6(iv). गद्यांश में प्रयुक्त 'अप्रत्याशित अनुग्रह' क्या था ? [1 अंक]

(A) सास द्वारा भक्तिन का साज-शृंगार कर पिता के घर विदा करना।

(B) सास द्वारा भक्तिन को नैहर जाने के लिए कहना।

(C) विमाता द्वारा भक्तिन के लिए बुलावा भेजना।

(D) सास का भक्तिन के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करना।

सही उत्तर: (A) सास द्वारा भक्तिन का साज-शृंगार कर पिता के घर विदा करना।

हल:

अवधारणा:

- अप्रत्याशित का अर्थ है जिसकी अपेक्षा न की गई हो और अनुग्रह का अर्थ कृपा या उपकार है।

- शब्द-समूह का संदर्भ उसके ठीक पहले वर्णित पूरी घटना से लिया जाता है।

चरण 1: अनुग्रह की घटना पहचानें सास ने भक्तिन से कहा कि बहुत दिन से नैहर नहीं गई, इसलिए जाकर देख आए। इसके साथ उसने भक्तिन को पहना-उढ़ाकर विदा भी किया। सास की ओर से इस प्रकार तैयार करके पिता के घर भेजना भक्तिन के लिए अचानक मिली कृपा थी।

चरण 2: विकल्पों का अंतर समझें विकल्प (A) इस पूरी घटना को व्यक्त करता है, इसलिए सर्वाधिक सटीक है। विकल्प (B) में केवल जाने के लिए कहना है और पहना-उढ़ाकर विदा करने की बात छूट जाती है। विकल्प (C) विमाता के बुलावे से संबंधित है, जबकि अनुग्रह सास ने किया। विकल्प (D) केवल सामान्य प्रेमपूर्ण व्यवहार कहता है; वह यहाँ वर्णित विशिष्ट कार्य नहीं बताता।

चरण 3: निष्कर्ष अप्रत्याशित अनुग्रह सास द्वारा भक्तिन का साज-शृंगार करके पिता के घर विदा करना था। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: संदर्भगत अर्थ में केवल एक शब्द नहीं, उसके पहले आए पूरे कार्य को देखें; पहना-उढ़ाकर विदा करना यहाँ मुख्य संकेत है।

6(v). निम्नलिखित कथनों पर विचार करते हुए गद्यांश के अनुसार सही कथन को चयनित कर लिखिए : [1 अंक]

(A) दुखी अपमानित भक्तिन उलटे पैरों ससुराल लौट आई।

(B) उसका सत्कार करने वाला पूरे गाँव में कोई नहीं था।

(C) विमाता पर आया क्रोध उसने पति पर गहने फेंककर शांत किया।

(D) सास को भला-बुरा कहकर उसने पिता की मृत्यु का दुख शांत किया।

सही उत्तर: (A) दुखी अपमानित भक्तिन उलटे पैरों ससुराल लौट आई।

हल:

अवधारणा:

- गद्यांश पर आधारित सही कथन वही है जिसके सभी अंश पाठ से समर्थित हों।
- क्रोध शांत करने और पिता के बिछोह की पीड़ा व्यक्त करने की घटनाएँ अलग-अलग हैं।

चरण 1: पाठ से सही कथन मिलाएँ गद्यांश बताता है कि भक्तिन दुख से शिथिल और अपमान से जलती हुई नैहर में पानी भी बिना पिए उलटे पैरों ससुराल लौट पड़ी। विकल्प (A) इसी घटना और मानसिक अवस्था का सही संक्षेप है।

चरण 2: शेष कथनों की अशुद्धि पहचानें विकल्प (B) पूरे गाँव को असंवेदनशील बताता है, जबकि गाँववालों की दृष्टियाँ सहानुभूतिपूर्ण थीं। विकल्प (C) में क्रोध शांत करने का साधन गलत है; विमाता पर आया क्रोध उसने सास को खरी-खोटी सुनाकर शांत किया। विकल्प (D) भी घटनाओं को बदलता है; पिता के बिछोह की मर्मव्यथा उसने पति पर गहने फेंककर व्यक्त की थी।

चरण 3: निष्कर्ष दुखी और अपमानित भक्तिन उलटे पैरों ससुराल लौट आई। सही विकल्प (A) है।

त्वरित सुझाव: कौन-सी भावना किस व्यक्ति के सामने और किस कार्य से व्यक्त हुई, इसे अलग-अलग याद रखें; इससे उलटे कथन तुरंत पकड़ में आते हैं।

7(क). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :

'बात सीधी थी पर' कविता के आधार पर लिखिए कि भाषा को अर्थ की परिणति तक पहुँचाने के लिए कवि क्या-क्या प्रयास करता है और उसका क्या परिणाम निकलता है। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कविता में सहज कथ्य को अनावश्यक भाषाई जटिलता से बचाने का संदेश है।
- भाषा साधन है; उसका उद्देश्य बात के अर्थ को सहज रूप से पाठक तक पहुँचाना है।

चरण 1: प्रश्न के दोनों पक्ष समझें उत्तर में पहले कवि के प्रयास और फिर उनके परिणाम को जोड़ना है। वह सीधी बात को प्रभावशाली बनाने के लिए भाषा में उलझाता है। बात को पाने के लिए भाषाई पेंच को उलटता-पलटता और कसता है। कविता में पेंच का बिंब बताता है कि अत्यधिक प्रयास सहज अभिव्यक्ति को कैसे बिगाड़ सकता है।

चरण 2: व्याख्या का आधार यहाँ असफलता विचार के अभाव से नहीं, अभिव्यक्ति के गलत चुनाव से आती है। सीधी बात को सरल भाषा में कहा जा सकता था, पर कवि ने अपनी भाषाई कुशलता पर आवश्यकता से अधिक भरोसा किया। अत: व्याख्या में जटिल शब्दों के प्रयोग को सफलता न कहें। कविता सहजता, स्पष्टता और कथ्य के अनुरूप भाषा के प्रयोग का समर्थन करती है।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में आदर्श उत्तर कवि सीधी बात को प्रभावशाली बनाने के लिए भाषा के जटिल प्रयोग करता है। बात भाषा में उलझ जाती है तो वह उसे पाने के लिए शब्दों को तोड़ता-मरोड़ता और उलटता-पलटता है। वह भाषा के पेंच को अनावश्यक रूप से कसता जाता है। परिणामत: बात की सहजता और प्रभाव नष्ट हो जाते हैं; भाषाई पेंच की चूड़ी मर जाती है और बात निष्प्रभावी हो जाती है।

चरण 4: निष्कर्ष अतिरिक्त भाषाई चमत्कार के प्रयास में सीधी बात उलझकर अपना स्वाभाविक अर्थ और प्रभाव खो देती है।

त्वरित सुझाव: प्रयास और परिणाम दोनों अवश्य लिखें; पेंच कसने तथा चूड़ी मर जाने के बिंब को अभिव्यक्ति की विफलता से जोड़ें।

7(ख). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :

'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में समाज की जिस संवेदनहीनता का मार्मिक वर्णन हुआ है, क्या आपके दृष्टिकोण में भी समाज वैसा ही है या उसमें अन्तर है ? स्पष्ट कीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कविता पीड़ा को प्रदर्शन और मनोरंजन का साधन बनाने वाली दृष्टि की आलोचना करती है।
- मत आधारित उत्तर में कविता का संदर्भ, अपना स्पष्ट दृष्टिकोण और उसका उचित आधार देना चाहिए।

चरण 1: विचार और उदाहरण की योजना कविता में कार्यक्रम संचालक दिव्यांग व्यक्ति से ऐसे प्रश्न पूछता है जो उसे रुला सकें। उसकी वास्तविक सहायता के स्थान पर दर्शकों के लिए करुण दृश्य बनाना प्रमुख हो जाता है। अपने दृष्टिकोण में इस प्रवृत्ति को स्वीकार करते हुए संवेदनशील लोगों की उपस्थिति का भी उल्लेख किया जा सकता है। पूरे समाज पर बिना भेद के आरोप लगाना आवश्यक नहीं है।

चरण 2: व्याख्या का आधार संतुलित उत्तर का आधार यह है कि कविता किसी पीड़ित व्यक्ति की गरिमा की रक्षा की माँग करती है। उसकी विवशता से मनोरंजन पैदा करना मानवीय व्यवहार नहीं है। वास्तविक संवेदना का परिचय सहायता, बराबरी और सम्मान से मिलता है। इसलिए कैमरे में आँसू दिखाने और दुख को कम करने के प्रयत्न के बीच अंतर स्पष्ट करना चाहिए।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में आदर्श उत्तर मेरे विचार में समाज में कविता जैसी संवेदनहीनता आज भी दिखाई देती है। कुछ लोग पीड़ित की सहायता करने के स्थान पर उसका दुख कैमरे में कैद कर प्रचार और मनोरंजन का साधन बनाते हैं। कविता का संचालक भी करुणा का प्रदर्शन चाहता है। किंतु पूरा समाज ऐसा नहीं है; अनेक लोग दिव्यांगों की सहायता, सम्मान और अधिकारों के लिए निस्वार्थ काम करते हैं।

चरण 4: निष्कर्ष समाज में पीड़ा को प्रदर्शन बनाने की संवेदनहीनता है, किंतु मानवीय सहायता और सम्मान देने वाले लोग भी हैं।

त्वरित सुझाव: अपने मत को कविता में दिखे व्यवहार से जोड़ें और सामान्य आरोप के स्थान पर संतुलित, कारणयुक्त दृष्टिकोण लिखें।

7(ग). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : 'छोटा मेरा खेत' कविता के आधार पर कवि-कर्म और कृषि-कर्म के रूपक को स्पष्ट कीजिए। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रूपक में रचना-प्रक्रिया को खेती के माध्यम से समझाया गया है; कागज का पन्ना कवि का खेत है।
- अनुभव और संवेदना भाव के बीज हैं; कल्पना, शब्द और अभिव्यक्ति से कविता विकसित होती है।

चरण 1: कविता के खेत और बीज को पहचानिए कवि कागज के छोटे पन्ने को खेत कहता है। किसी भावनात्मक आवेग के प्रभाव से उसमें विचार या अनुभूति का बीज पड़ता है। खेती में जैसे बीज से फसल जन्म लेती है, वैसे ही मन में उपजी संवेदना से कविता की शुरुआत होती है। इस प्रकार खेत और पन्ने तथा बीज और भाव के बीच संबंध स्थापित होता है। जिस तरह किसान श्रम और देखभाल से बीज को फसल बनाता है, उसी तरह कवि अनुभूति को कलात्मक भाषा देकर सार्थक रचना का रूप देता है।

चरण 2: रचना के विकास और उसकी फसल को समझिए कवि की कल्पना भाव के बीज को विकसित करती है। शब्दों के अंकुर और रचना के पल्लव-पुष्प निकलते हैं; अंततः कविता रस से भरे फल देती है। कृषि की फसल कटकर समाप्त हो जाती है, किंतु काव्य-फसल पाठकों को बार-बार आनंद देती रहती है। इसलिए कविता की रस-संपदा अक्षय और सृजन का आनंद स्थायी है।

चरण 3: निष्कर्ष कवि ने कागज के पन्ने को खेत और भाव को बीज माना है। कल्पना से यह बीज विकसित होकर शब्दों के अंकुर तथा रचना के पल्लव-पुष्प बनता है। कविता रसपूर्ण फल देती है। कृषि की फसल समाप्त हो जाती है, किंतु कविता की रस-फसल बार-बार आस्वादन करने पर भी चुकती नहीं; वह पाठकों को निरंतर आनंद देती है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में पन्ना–खेत, भाव–बीज और कविता–अक्षय फसल के संबंध क्रम से लिखिए।

8(क). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए : 'बगुलों के पंख' कविता में आई पंक्ति 'उसे तनिक रोक रक्खो' का भाव स्पष्ट कीजिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- प्राकृतिक सौंदर्य का गहरा प्रभाव मन को अपने में बाँध लेता है।
- क्षणिक दृश्य को रोकने की इच्छा कवि की तन्मयता तथा सौंदर्य के प्रति आकर्षण व्यक्त करती है।

चरण 1: मन को बाँधने वाले दृश्य को पहचानिए काले बादलों के बीच उड़ते सफेद बगुलों की पंक्ति अत्यंत सुंदर दिखाई देती है। श्वेत पंखों और साँवले आकाश का विरोध दृश्य को आकर्षक बनाता है। कवि की आँखें और मन इस सौंदर्य में डूब जाते हैं; उसका ध्यान दूसरी ओर नहीं जाता।

चरण 2: रोकने की इच्छा का आशय बताइए उड़ते हुए बगुलों का दृश्य शीघ्र ही आँखों से ओझल हो सकता है। कवि चाहता है कि यह मनमोहक सौंदर्य थोड़ी देर ठहरा रहे, ताकि वह उसे और देर तक निहार सके। पंक्ति प्रकृति को सचमुच रोकने का आदेश नहीं, सौंदर्य में तल्लीन कवि की भावपूर्ण आकांक्षा है।

चरण 3: निष्कर्ष काले बादलों के बीच उड़ते सफेद बगुलों की सुंदर पंक्ति कवि का मन मोह लेती है। वह इस क्षणिक दृश्य को थोड़ी देर रोककर और निहारना चाहता है। पंक्ति कवि की सौंदर्य-मुग्धता और तन्मयता व्यक्त करती है।

त्वरित सुझाव: पहले काले बादलों में सफेद बगुलों का दृश्य लिखिए, फिर उसे देर तक निहारने की इच्छा स्पष्ट कीजिए।

8(ख). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :
'बादल राग' कविता में बादल किसका प्रतीक है ? इससे समाज का कौन-सा वर्ग प्रभावित होता है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कविता में बादल शोषण के विरुद्ध क्रांति और परिवर्तन का प्रतीक है।
- क्रांति का प्रभाव शोषक तथा शोषित वर्गों पर उनकी सामाजिक स्थिति के अनुसार भिन्न होता है।

चरण 1: बादल के प्रतीक को स्पष्ट कीजिए निराला के बादल केवल वर्षा लाने वाले प्राकृतिक बादल नहीं हैं। उनका गर्जन व्यवस्था को झकझोरने वाली क्रांतिकारी शक्ति का संकेत देता है। कवि उन्हें विप्लव का वीर कहकर पुकारता है। यह शक्ति दीन-दुखियों को शोषण से मुक्ति और नए जीवन की आशा देती है।

चरण 2: दोनों वर्गों की प्रतिक्रिया बताइए धनी और शोषक वर्ग बादल के गर्जन से डरता है, क्योंकि परिवर्तन से उसकी सत्ता और सुविधाएँ संकट में पड़ती हैं। इसके विपरीत दुर्बल, शोषित किसान बादल का स्वागत करता है। उसके लिए बादल वर्षा, उपज और जीवन का सहारा होने के साथ शोषण से छुटकारे की आशा भी है।

चरण 3: निष्कर्ष बादल क्रांति और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक है। उसके गर्जन से पूँजीपति तथा शोषक वर्ग भयभीत होता है। दूसरी ओर शोषित किसान और निर्धन वर्ग उसे आशा तथा मुक्ति का संदेशवाहक मानकर स्वागत करते हैं; उसमें उन्हें नए जीवन की संभावना दिखती है।

त्वरित सुझाव: बादल का प्रतीक लिखने के बाद शोषकों का भय और शोषित किसानों की आशा, दोनों प्रतिक्रियाएँ बताइए।

8(ग). काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :
'पतंग' कविता के आधार पर लिखिए कि 'बच्चों का सूरज के सामने आने' से क्या अभिप्राय है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- पतंग उड़ाते बच्चों की उमंग, कल्पना और आत्मविश्वास कविता के केंद्रीय भाव हैं।
- सूरज के सामने आने की छवि बच्चों की निर्भीकता तथा ऊँचाइयाँ छूने की आकांक्षा व्यक्त करती है।

चरण 1: पतंग उड़ाते बच्चों की मन:स्थिति समझिए पतंग उड़ाते समय बच्चे उल्लास से भर उठते हैं। उनका ध्यान पतंग की उड़ान में इतना रम जाता है कि ऊँचाई और गिरने के डर का प्रभाव कम हो जाता है। आकाश की ओर बढ़ती पतंग के साथ उनका मन भी उड़ता है और अपनी सीमाओं से आगे जाने की इच्छा करता है।

चरण 2: सूरज के सामने आने का अभिप्राय बताइए यह छवि बच्चों के सचमुच सूरज तक पहुँचने का कथन नहीं है। वे पतंग के साथ कल्पना में इतनी ऊँची उड़ान भरते हैं कि सूरज के सामने खड़े होने का साहस रखते हैं। इसमें उनका उत्साह, निर्भीक आत्मविश्वास और कठिनाइयों की परवाह किए बिना आगे बढ़ने का स्वभाव प्रकट होता है।

चरण 3: निष्कर्ष बच्चे पतंग उड़ाते हुए उमंग और आत्मविश्वास से भर जाते हैं। उनकी कल्पना इतनी ऊँची उड़ान भरती है कि वे सूरज के सामने आने का साहस करते हैं। इससे उनकी निर्भीकता, ऊँचाइयाँ छूने की आकांक्षा और जोखिम से न घबराने का भाव व्यक्त होता है।

त्वरित सुझाव: सूरज के सामने आने को बालमन की निर्भीकता और ऊँची आकांक्षा से जोड़िए; इसका शाब्दिक अर्थ न लिखिए।

9(क). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :

'अगर तीस-चालीस मन गेहूँ उगाना है तो किसान पाँच-छह सेर अच्छा गेहूँ अपने पास से लेकर ज़मीन में क्यारियाँ बना कर फेंकता है।' – 'काले मेघा पानी दे' पाठ में यह वाक्य जीजी द्वारा किस संदर्भ में कहा गया है ? स्पष्ट कीजिए। क्या आप उनके विचारों से सहमत हैं ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- पाठ में जीजी की आस्था के साथ त्याग, दान और सामूहिक हित का विचार जुड़ा है। किसान का उदाहरण थोड़े त्याग से बड़े लाभ की बात समझाता है।
- प्रश्न में प्रसंग, उदाहरण का आशय और विचार पर अपना तर्कसंगत मत देना आवश्यक है।

चरण 1: प्रसंग और उदाहरण का संबंध लेखक को सूखे के समय इंदर सेना पर पानी फेंकना पानी की बरबादी लगता था। जीजी इसी आपत्ति का उत्तर किसान के उदाहरण से देती हैं। किसान अच्छा बीज अपने पास रखकर नहीं बैठता, उसे मिट्टी में डालता है; तभी बड़ी फसल पाता है। जीजी के लिए यह उदाहरण पहले कुछ देने और उसके बाद अधिक पाने के संबंध को स्पष्ट करता है। यहाँ बीज फेंकना निरर्थक नष्ट करना नहीं, भविष्य की उपज के लिए निवेश करना है। जीजी उसी तरह पानी देने को सार्थक त्याग मानती हैं। उत्तर में उनकी मानवीय भावना और वर्षा संबंधी विश्वास के बीच विवेकपूर्ण भेद रखने से अपना मत स्पष्ट होता है।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर सूखे में इंदर सेना पर पानी डालने को लेखक ने पानी की बरबादी कहा, तब जीजी ने किसान का उदाहरण दिया। जैसे किसान थोड़े अच्छे बीज का त्याग करके बड़ी फसल पाता है, वैसे ही वर्षा की कामना में पानी देना त्याग है। उनके त्याग और लोकहित के विचार से मैं सहमत हूँ; किंतु जलदान से वर्षा होना वैज्ञानिक रूप से सिद्ध नहीं है।

चरण 3: निष्कर्ष जीजी किसान के बीज बोने का उदाहरण देकर त्याग की आवश्यकता समझाती हैं। उनके सामाजिक भाव का समर्थन विवेकपूर्ण दृष्टि के साथ किया जा सकता है।

त्वरित सुझाव: किसान के उदाहरण को केवल खेती का वर्णन न बनाएँ; उसे लेखक की पानी बरबाद होने वाली आपत्ति और जीजी के त्याग संबंधी तर्क से जोड़ें।

9(ख). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :

'शिरीष के फूल' पाठ से ली गई पंक्ति 'दिन दस फूला फूलिके खंखड़ भया पलास' का आशय स्पष्ट करते हुए लिखिए कि लेखक द्वारा यह पंक्ति किस उद्देश्य से कही गई है। [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- पलाश का अल्पकालिक पुष्प-सौंदर्य क्षणिक वैभव का प्रतीक है; शिरीष कठिन गर्मी में भी फूलता रहता है।
- पंक्ति का भावार्थ बताने के बाद लेखक का उद्देश्य स्पष्ट करना आवश्यक है। तुलना में स्थायी जीवट और क्षणिक प्रदर्शन का अंतर मुख्य है।

चरण 1: पंक्ति का आशय और तुलना पलाश फूलने पर अत्यंत आकर्षक लगता है, पर थोड़े समय बाद उसके फूल झड़ जाते हैं और वह ठूँठ जैसा दिखाई देता है। दस दिन का उल्लेख उसके सौंदर्य की अल्प अवधि बताता है। शिरीष इसके विपरीत प्रचंड गर्मी में भी फूलता रहता है। लेखक को उसकी कठिन परिस्थितियों में भी प्रसन्न और सरस बने रहने की क्षमता आकर्षित करती है। पलाश का प्रसंग केवल उसके रंग की प्रशंसा के लिए नहीं आया है। लेखक उस सौंदर्य की सीमा बताता है जो थोड़े समय के लिए दिखाई देता है। शिरीष की विशेषता यह है कि बाहरी ताप और प्रतिकूलता भी उसकी आंतरिक मस्ती और कोमलता समाप्त नहीं करती।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर पंक्ति का आशय है कि पलाश कुछ दिन सुंदर फूलों से लदकर शीघ्र ही फूलहीन और ठूँठ जैसा हो जाता है। उसका आकर्षण क्षणिक है। लेखक ने यह पंक्ति शिरीष की दीर्घकालीन सरसता और विपरीत परिस्थितियों में खिलते रहने की विशेषता उभारने के लिए कही है। इससे क्षणिक चमक के स्थान पर निरंतर जीवंतता और सहनशीलता का महत्त्व स्पष्ट होता है।

चरण 3: निष्कर्ष पलाश के क्षणिक सौंदर्य के माध्यम से लेखक शिरीष की निरंतर खिलने वाली जीवनीशक्ति की विशेषता स्पष्ट करता है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में पलाश के थोड़े दिन फूलने और शिरीष के कठिन गर्मी में भी सरस रहने की तुलना अवश्य दें; इसी से लेखक का उद्देश्य खुलता है।

9(ग). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :
'पहलवान की ढोलक' कहानी में अँधेरी रात को आँसू बहाते हुए क्यों दिखाया गया है ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कहानी में महामारी, गरीबी और मृत्यु का वातावरण प्रकृति के मानवीकरण से अधिक करुण बनता है।
- अँधेरी रात के आँसू बहाने का अर्थ वास्तविक रोना नहीं, बल्कि ओस और शोकपूर्ण वातावरण का कलात्मक चित्रण है।

चरण 1: कहानी का शोकपूर्ण परिवेश गाँव में मलेरिया और हैजे की महामारी फैली है। भूख, निर्धनता और मृत्यु के कारण लोग असहाय हैं। रात का सन्नाटा और अँधेरा उनके भय को बढ़ाते हैं। ऐसे वातावरण में रात का आँसू बहाना प्रकृति को मनुष्य के दुःख का सहभागी बना देता है। ओस की बूँदें आँसू जैसी प्रतीत होती हैं और गाँव की करुण दशा अधिक मार्मिक बनती है। रात को मनुष्य की तरह रोते हुए दिखाना मानवीकरण है। यह चित्रण बताता है कि त्रासदी इतनी व्यापक है कि निर्जीव वातावरण भी उससे प्रभावित लगता है। इस शोक और सन्नाटे के बीच पहलवान की ढोलक की ध्वनि जीवित लोगों को साहस और संघर्ष की प्रेरणा देती है।

चरण 2: लगभग 60 शब्दों में उत्तर कहानी में गाँव मलेरिया और हैजे की महामारी से पीड़ित है। भूख, गरीबी और लगातार होती मौतों से चारों ओर भय और शोक है। अँधेरी रात का आँसू बहाना इसी करुण स्थिति का मानवीकरण है। ओस की बूँदें उसके आँसू लगती हैं। ऐसा लगता है कि गाँववालों की असहायता और मृत्यु के दुःख में प्रकृति भी उनके साथ रो रही है।

चरण 3: निष्कर्ष अँधेरी रात के आँसू महामारीग्रस्त गाँव की करुण दशा को व्यक्त करते हैं और प्रकृति को मानवीय दुःख का सहभागी बनाते हैं।

त्वरित सुझाव: रात के आँसुओं को ओस, महामारी और गाँव के शोक से जोड़ें; केवल अँधेरा होने को उसके रोने का कारण लिखना पर्याप्त नहीं है।

10(क). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :
'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि बाज़ार का आमंत्रण मूक होता है। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- बाज़ार का आकर्षण वस्तुओं की सजी हुई प्रदर्शनी से उत्पन्न होता है; उसे ग्राहक को शब्दों में बुलाना आवश्यक नहीं होता।
- उत्तर में मूक आमंत्रण का अर्थ और ग्राहक के मन पर उसका प्रभाव दोनों स्पष्ट करने चाहिए।

चरण 1: मूक आकर्षण का अर्थ सजी दुकानों और आकर्षक वस्तुओं को देखकर ग्राहक स्वयं उनकी ओर खिंचता है। बाज़ार उसकी आँखों के माध्यम से मन में इच्छा पैदा करता है। बिना बोले भी वह वस्तुएँ खरीदने की प्रेरणा देता है। विशेषतः अपनी आवश्यकता स्पष्ट न होने पर व्यक्ति इस आकर्षण में अनावश्यक सामान खरीद सकता है; यही बाज़ार के मूक आमंत्रण की शक्ति है।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों में उत्तर बाज़ार सजी दुकानों, चमकती वस्तुओं और आकर्षक सजावट से ग्राहक को अपनी ओर खींचता है। उसे कुछ कहने की आवश्यकता नहीं होती। वस्तुओं को देखकर मन में खरीदने की इच्छा जागती है और व्यक्ति अनावश्यक चीजें भी खरीद लेता है। इसलिए उसका आमंत्रण मूक है।

चरण 3: निष्कर्ष बाज़ार वस्तुओं के दृश्य आकर्षण से बिना बोले खरीदने की इच्छा जगाता है; इसी अर्थ में उसका आमंत्रण मूक है।

त्वरित सुझाव: मूक आमंत्रण समझाते समय दुकान की सजावट से आँखों का आकर्षण और फिर खरीदने की इच्छा बनने का क्रम स्पष्ट करें।

10(ख). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :

'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर लिखिए कि रुचि आधारित कार्य न मिलने से देश के विकास पर क्या प्रभाव पड़ता है और क्यों ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- पाठ में जाति के आधार पर निर्धारित व्यवसाय की आलोचना की गई है। काम का चुनाव व्यक्ति की रुचि और योग्यता के अनुसार होना चाहिए।
- कार्य के प्रति अरुचि से श्रमिक की कार्यक्षमता और उत्पादन प्रभावित होते हैं; इसका संबंध पूरे समाज की आर्थिक प्रगति से है।

चरण 1: कारण समझिए जाति-प्रथा जन्म से व्यवसाय निश्चित कर देती है। इससे व्यक्ति को अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप काम चुनने की स्वतंत्रता नहीं मिलती। वह काम को आत्मीयता से करने के स्थान पर बोझ समझता है।

चरण 2: प्रभाव जोड़िए मन और बुद्धि काम में पूरी तरह न लगने से व्यक्ति अपनी योग्यता का सर्वोत्तम उपयोग नहीं कर पाता। श्रम की कुशलता तथा उत्पादन घटते हैं और देश की आर्थिक उन्नति बाधित होती है।

चरण 3: लगभग 40 शब्दों में उत्तर रुचि के अनुरूप काम न मिलने से व्यक्ति काम को बोझ समझकर अनिच्छा से करता है। इससे उसकी कार्यक्षमता घटती है तथा उत्पादन प्रभावित होता है। प्रतिभा का समुचित उपयोग न होने से देश की आर्थिक प्रगति अवरुद्ध होती है।

चरण 4: निष्कर्ष रुचि-विरुद्ध व्यवसाय कार्यक्षमता घटाकर देश के आर्थिक विकास में बाधा डालता है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में कारण और परिणाम जोड़ें: अरुचि से कार्यक्षमता घटती है और उससे आर्थिक प्रगति रुकती है।

10(ग). गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :

'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' पाठ के आधार पर 'दासता' का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- आंबेडकर दासता का अर्थ केवल कानूनी गुलामी नहीं मानते; यह मनुष्य की सामाजिक स्थिति से भी जुड़ी है।
- व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता का अभाव और दूसरों के निर्धारित उद्देश्य मानने की बाध्यता दासता के रूप हैं।

चरण 1: संकुचित अर्थ से आगे बढ़िए सामान्यत: दासता का अर्थ किसी मनुष्य को दूसरे की संपत्ति मानना समझा जाता है। लेखक का आशय इससे व्यापक है। कानूनन स्वतंत्र होने पर भी व्यक्ति सामाजिक बंधनों में पराधीन हो सकता है।

चरण 2: सामाजिक बाध्यता पहचानिए जब समाज किसी मनुष्य का व्यवसाय पहले से तय कर देता है, तब उसे अपनी पसंद और योग्यता से जीवन का उद्देश्य चुनने का अधिकार नहीं मिलता। दूसरों द्वारा निश्चित आचरण को स्वीकार करना उसकी विवशता बन जाता है।

चरण 3: लगभग 40 शब्दों में उत्तर दासता केवल कानूनी पराधीनता नहीं है। वह सामाजिक स्थिति भी दासता है जिसमें व्यक्ति को दूसरों द्वारा निर्धारित व्यवहार और उद्देश्य स्वीकार करने पड़ें। अपनी रुचि के अनुसार व्यवसाय न चुन पाने की बाध्यता भी इसी दासता का रूप है।

चरण 4: निष्कर्ष दूसरों के निर्धारित उद्देश्य और आचरण अपनाने की सामाजिक विवशता भी दासता है।

त्वरित सुझाव: दासता का अर्थ केवल गुलामी न लिखें; व्यवसाय तथा जीवन का उद्देश्य चुनने की स्वतंत्रता से जोड़ें।

11(क). निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :
यशोधर बाबू के बच्चों की कौन-सी बातें आपको प्रशंसनीय लगती हैं ? कोई दो विशेषताएँ लिखिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- चरित्र का मूल्यांकन पाठ में वर्णित कार्यों से करना चाहिए; यहाँ बच्चों के प्रशंसनीय पक्ष पूछे गए हैं।
- आधुनिक पीढ़ी की स्वतंत्र आकांक्षाओं के साथ माता-पिता के प्रति स्नेह को पहचानना आवश्यक है।

चरण 1: उन्नति की आकांक्षा पहचानिए बच्चे अपने भविष्य और उन्नति के प्रति सजग हैं। वे नए अवसरों को अपनाते हैं और अपने जीवन के विषय में स्वतंत्र निर्णय लेना चाहते हैं। उनकी यह आत्मविश्वासपूर्ण प्रवृत्ति प्रशंसनीय है।

चरण 2: पारिवारिक स्नेह का प्रमाण दीजिए वे माता-पिता की शादी की पच्चीसवीं वर्षगाँठ मनाने की व्यवस्था करते हैं। भूषण पिता के लिए ड्रेसिंग गाउन लाता है और उन्हें सुबह दूध लाने स्वयं न जाने की सलाह देता है। इससे पिता के आराम की चिंता प्रकट होती है।

चरण 3: लगभग 40 शब्दों में उत्तर यशोधर बाबू के बच्चे महत्वाकांक्षी हैं और नए अवसर अपनाकर जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं। उनमें माता-पिता के प्रति स्नेह भी है। विवाह की पच्चीसवीं वर्षगाँठ का आयोजन तथा पिता के आराम की भूषण की चिंता इसके उदाहरण हैं।

चरण 4: निष्कर्ष बच्चों की उन्नति की आकांक्षा और माता-पिता के प्रति स्नेह प्रशंसनीय हैं।

त्वरित सुझाव: दो विशेषताओं के साथ पाठ का उदाहरण दें; पीढ़ियों के मतभेदों को ही पूरे उत्तर का विषय न बनाएँ।

11(ख). निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :
आनंदा के पिता की भाँति आज भी अनेक गरीब कामगार पिता अपने बच्चों को स्कूल क्यों नहीं भेजना चाहते ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- प्रश्न आनंदा के अनुभव को आज के गरीब कामगार परिवारों की परिस्थिति से जोड़ता है।
- तात्कालिक आय की आवश्यकता और शिक्षा के दूरगामी लाभ न समझ पाना बच्चों की पढ़ाई में बाधा बनते हैं।

चरण 1: आर्थिक विवशता बताइए गरीब परिवार के लिए रोज की जरूरतें पूरी करना कठिन होता है। ऐसे में पिता बच्चे की पढ़ाई पर खर्च करने के बजाय उसे काम में लगाकर परिवार की आय बढ़ाना चाहते हैं। बच्चे का श्रम उन्हें तुरंत उपयोगी लगता है।

चरण 2: दृष्टिकोण का संबंध पाठ से जोड़िए आनंदा के पिता उसे खेती के काम में लगाए रखना चाहते थे। आज भी कुछ कामगार पिता शिक्षा के भविष्यगत लाभ नहीं समझते अथवा कठिन आर्थिक स्थिति के कारण उन्हें दूर की बात मानते हैं। यह सोच बालक की प्रतिभा को आगे बढ़ने से रोकती है।

चरण 3: लगभग 40 शब्दों में उत्तर गरीबी के कारण ऐसे पिता बच्चों से काम कराकर परिवार की आय बढ़ाना चाहते हैं। पढ़ाई का खर्च और काम करने वाले हाथ की कमी उन्हें अखरती है। अशिक्षा तथा संकीर्ण सोच के कारण वे शिक्षा के दूरगामी लाभ भी नहीं समझते।

चरण 4: निष्कर्ष तात्कालिक आर्थिक जरूरत और शिक्षा के महत्व की सीमित समझ बच्चों को विद्यालय से दूर रखती है।

त्वरित सुझाव: गरीबी की विवशता और शिक्षा संबंधी दृष्टिकोण दोनों लिखें; सभी गरीब पिताओं को एक जैसा न बताएँ।

11(ग). निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए :

'अजायबघर में प्रदर्शित चीजों में औजार तो हैं, पर हथियार कोई नहीं है।' – इस कथन से मुअनजो-दड़ो के विषय में क्या जानकारी मिलती है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- पुरातात्त्विक वस्तुओं से सभ्यता के जीवन-मूल्यों और कार्यकलापों का संकेत मिलता है।
- औजारों की उपस्थिति तथा हथियारों के अभाव का पाठ में संबंध शांतिपूर्ण नागरिक संस्कृति से जोड़ा गया है।

चरण 1: औजारों से निष्कर्ष निकालिए औजारों का मिलना बताता है कि वहाँ उत्पादन, शिल्प और उपयोगी कार्यों का महत्व था। लोग जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा अपनी सभ्यता को विकसित करने में कुशल थे।

चरण 2: हथियारों के अभाव का संकेत समझिए प्रदर्शित वस्तुओं में हथियार न होना युद्ध और सैनिक शक्ति के प्रदर्शन से अलग नागरिक जीवन की ओर संकेत करता है। पाठ इस सभ्यता में भव्य सत्ता-प्रदर्शन के स्थान पर सादगी और सुव्यवस्था को प्रमुख मानता है।

चरण 3: लगभग 40 शब्दों में उत्तर इस कथन से मुअनजो-दड़ो की शांतिप्रिय और नागरिक सभ्यता का परिचय मिलता है। वहाँ श्रम, शिल्प तथा उपयोगी निर्माण को महत्व दिया जाता था। हथियारों का अभाव संकेत देता है कि युद्ध और सैन्य शक्ति का प्रदर्शन संस्कृति का प्रमुख आधार नहीं था।

चरण 4: निष्कर्ष मुअनजो-दड़ो में श्रम और शिल्प पर आधारित शांतिपूर्ण नागरिक संस्कृति के संकेत मिलते हैं।

त्वरित सुझाव: औजारों को उत्पादन और हथियारों के अभाव को शांतिप्रियता से जोड़ें; प्रमाण से अधिक पूर्ण दावा न करें।

12(क). निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

ओ.टी.टी. पर्दा : मनोरंजन की नई परिभाषा [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में दिए गए विषय का स्वतंत्र, रोचक और क्रमबद्ध विस्तार किया जाता है। शीर्षक के बाद प्रभावपूर्ण आरंभ, विषय का विकास और विचारोत्तेजक समापन होना चाहिए।
- इस विषय का केंद्रीय विचार ओ.टी.टी. के कारण मनोरंजन के समय, स्थान, सामग्री और दर्शक की पसंद में आया परिवर्तन है। लगभग 120 शब्दों के लेख में सुविधा तथा जिम्मेदार उपयोग दोनों का संतुलित चित्र प्रस्तुत करना उचित है।

चरण 1: विषय का आशय और लेख का प्रारूप ओ.टी.टी. इंटरनेट के माध्यम से दर्शक तक पहुँचने वाली मनोरंजन सामग्री का मंच है। लेख में उपयुक्त शीर्षक देकर सीधे विषय से जुड़ें। इसे पत्र या समाचार का रूप न दें; यहाँ संबोधन, पता, दिनांक अथवा समाचार जैसी तथ्य-सूची आवश्यक नहीं है। प्रवाहपूर्ण अनुच्छेद और सहज भाषा रचना को प्रभावी बनाएँगे।

चरण 2: विचारों की क्रमबद्ध योजना आरंभ में परिवार के टेलीविजन के सामने एकत्र होने और आज व्यक्तिगत पर्दे पर कार्यक्रम देखने का अंतर लें। फिर अपनी सुविधा से कार्यक्रम चुनने, विविध भाषाओं की सामग्री और नए कलाकारों को अवसर मिलने की चर्चा करें। इसके बाद अनियंत्रित देखने तथा परिवार में संवाद घटने की समस्या उठाएँ। अंत में संयम और विवेक का संदेश देकर मनोरंजन की नई परिभाषा स्पष्ट करें। किसी मंच की लोकप्रियता के अप्रमाणित आँकड़े देना आवश्यक नहीं है।

चरण 3: पूर्ण नमूना रचनात्मक लेख **ओ.टी.टी. पर्दा : मनोरंजन की नई परिभाषा**

कभी पूरा परिवार एक निश्चित समय पर टेलीविजन के सामने बैठता था। आज मनोरंजन हमारी जेब में है। ओ.टी.टी. ने दर्शक को अपनी पसंद का कार्यक्रम अपनी सुविधा से देखने की स्वतंत्रता दी है। मोबाइल का छोटा पर्दा अब देश-दुनिया की कहानियों का विशाल संसार खोल देता है। अलग-अलग भाषाओं की फिल्में और धारावाहिक हमारे अनुभव को समृद्ध करते हैं। नए कलाकारों तथा अनसुनी कहानियों को भी अवसर मिला है। किंतु लगातार कार्यक्रम देखते रहना समय और स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। अकेले पर्दे में डूबे रहने से

पारिवारिक संवाद भी घटता है। इसलिए सामग्री का विवेकपूर्ण चयन और समय की सीमा जरूरी है। मनोरंजन की नई परिभाषा तभी सार्थक होगी, जब पर्दा जीवन को समृद्ध करे, उसका स्थान न ले।

चरण 4: निष्कर्ष इस लेख में ओ.टी.टी. से मिली स्वतंत्रता और विविधता के साथ समय-संयम की आवश्यकता प्रस्तुत की गई है। शीर्षक, विषयानुकूल विस्तार और सार्थक समापन इसे पूर्ण रचनात्मक लेख बनाते हैं।

त्वरित सुझाव: नए माध्यम पर लेख लिखते समय एक परिचित दृश्य से शुरुआत करें, उसके लाभ और चुनौती जोड़ें तथा अंत में विषय से जुड़ा स्पष्ट विचार रखें।

12(ख). निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :

बढ़ती जनसंख्या : घटते संसाधन [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख में विषय को जीवन के अनुभवों से जोड़कर प्रभावपूर्ण भाषा में प्रस्तुत किया जाता है। शीर्षक, रोचक आरंभ, क्रमबद्ध विस्तार तथा सार्थक निष्कर्ष इसकी मुख्य विशेषताएँ हैं।
- बढ़ती जनसंख्या और घटते संसाधनों का संबंध सीमित जल, भूमि, भोजन तथा ऊर्जा पर बढ़ते दबाव से है। समाधान में जनसंख्या के प्रति जागरूकता के साथ संसाधनों का न्यायपूर्ण और संयमित उपयोग भी शामिल होना चाहिए।

चरण 1: विषय और प्रारूप की पहचान यहाँ लगभग 120 शब्दों का रचनात्मक लेख अपेक्षित है। शीर्षक देकर विषय का स्वतंत्र विस्तार करें। भूमिका में धरती के सीमित भंडार का संकेत, मध्य में बढ़ती आवश्यकताओं का प्रभाव और अंत में समाधान रखा जा सकता है। पत्र की तरह पता तथा संबोधन या प्रतिवेदन की तरह आयोजन का विवरण देने की आवश्यकता नहीं है। भाषा सरल हो और प्रत्येक वाक्य केंद्रीय विचार को आगे बढ़ाए।

चरण 2: विचारों का चयन और क्रम आरंभ के लिए पानी की लंबी कतार या सिकुड़ते जंगल जैसे परिचित दृश्य उपयोगी हैं। इनके माध्यम से बढ़ती माँग समझाएँ। फिर जल, कृषि-भूमि, आवास और ऊर्जा पर दबाव का उल्लेख करें। समस्या को केवल लोगों की संख्या तक सीमित न रखें; बर्बादी और असमान उपभोग भी संसाधनों के संकट को बढ़ाते हैं। समाधान में शिक्षा, परिवार-नियोजन की जागरूकता, जल-संरक्षण और जिम्मेदार उपभोग जोड़ें। समापन में आने वाली पीढ़ियों के प्रति दायित्व उजागर करें।

चरण 3: पूर्ण नमूना रचनात्मक लेख **बढ़ती जनसंख्या : घटते संसाधन**

सुबह पानी के नल पर लगी लंबी कतार हमारी धरती का भविष्य दिखाती है। लोग बढ़ रहे हैं, पर पानी, जंगल और उपजाऊ भूमि का भंडार असीम नहीं है। बढ़ती जनसंख्या के साथ भोजन, आवास, शिक्षा और ऊर्जा की माँग भी बढ़ती है। खेतों पर इमारतें खड़ी होती हैं और जंगल सिकुड़ते जाते हैं। संसाधनों की बर्बादी तथा असमान वितरण इस संकट को और गहरा करते हैं। समाधान केवल चिंता करने में नहीं, जिम्मेदार व्यवहार अपनाने में है। शिक्षा, परिवार-नियोजन के प्रति जागरूकता, जल-संरक्षण और सीमित उपभोग आवश्यक हैं। हमें विकास का ऐसा रास्ता चुनना होगा जो प्रकृति का सम्मान करे। धरती हमारी आवश्यकताएँ पूरी कर सकती है, अनंत लालच नहीं। आने वाली पीढ़ियों का अधिकार बचाना आज हमारी साझा जिम्मेदारी है।

चरण 4: निष्कर्ष लेख में बढ़ती माँग, सीमित प्राकृतिक भंडार और संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग का संबंध स्पष्ट किया गया है। जीवन से जुड़ा आरंभ और भविष्य के प्रति दायित्व का समापन इसे विषयानुकूल बनाते हैं।

त्वरित सुझाव: जनसंख्या वाले विषय में केवल समस्या न गिनाएँ; सीमित संसाधनों पर उसका प्रभाव और व्यक्ति तथा समाज के व्यावहारिक उपाय भी जोड़ें।

12(ग). निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :
घर के कबाड़घर में रखा पुराना टी.वी. [6 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रचनात्मक लेख किसी सामान्य वस्तु को संवेदना, कल्पना और निजी अनुभव से नया अर्थ देता है। इस विषय में पुराने टी.वी. के सहारे परिवार की साझी स्मृतियों को उभारा जा सकता है।
- लगभग 120 शब्दों के लेख में आकर्षक आरंभ, विषय से जुड़े दृश्य और प्रभावपूर्ण अंत रखें। वस्तु का मानवीकरण उपयोगी है, लेकिन लेख का केंद्र घर में रखा पुराना टी.वी. ही रहे।

चरण 1: प्रारूप और दृष्टिकोण चुनना यह रचनात्मक लेख है, इसलिए संक्षिप्त शीर्षक के बाद प्रवाहपूर्ण गद्य लिखेंगे। कथावाचक कबाड़घर में पुराने टी.वी. को देखता है और उसके सहारे बचपन के घरेलू जीवन को याद करता है। किसी पत्र की तरह पता, संबोधन या समापन की आवश्यकता नहीं है।

चरण 2: विषय की सामग्री व्यवस्थित करना पहले धूल से ढके टी.वी. का दृश्य आएगा। उसके बाद एंटीना ठीक करते पिता, कार्यक्रम देखने को जुटता परिवार और रविवार की खुशी जैसे अनुभव रखेंगे। अंत में आधुनिक स्क्रीन की उपलब्धता के बीच परिवार की निकटता कम होने का भाव आएगा। इस तरह बाहरी वस्तु से शुरू होकर लेख मानवीय संबंधों तक पहुँचेगा।

चरण 3: पूर्ण मॉडल लेख **कबाड़घर का खामोश साथी**

आज कबाड़घर की सफाई करते हुए धूल से ढका पुराना टी.वी. मिला। उसकी छोटी स्क्रीन देखते ही बचपन सामने आ खड़ा हुआ। कभी यही डिब्बा हमारे घर का सबसे प्रिय सदस्य था। रविवार की सुबह पूरा परिवार उसके सामने जुटता था। पिताजी छत पर एंटीना घुमाते और हम नीचे से चिल्लाते, "अब साफ दिख रहा है! दादी की हँसी, माँ की चाय और भाई से जगह के लिए झगड़ा, सब इसी के आसपास बसे थे। आज हर हाथ में अलग स्क्रीन है, पर साथ बैठने का समय नहीं। मैंने कपड़े से उसकी धूल पोंछी। लगा, वह पूछ रहा हो, "तस्वीरें तो रंगीन हो गईं, रिश्ते धुँधले क्यों पड़ गए? उसे फेंकने का विचार छोड़ दिया; कुछ चीजें कबाड़ नहीं, यादों का घर होती हैं।

चरण 4: निष्कर्ष पुराने टी.वी. का चित्रण परिवार की सामूहिक स्मृतियों और आज के अकेलेपन को जोड़ता है। लेख वस्तु का वर्णन करते हुए रिश्तों की गरमाहट का संदेश देता है।

त्वरित सुझाव: पहले एक ठोस दृश्य चुनें, फिर उससे जुड़ी स्मृति जोड़ें और अंतिम वाक्य में विषय का भावपूर्ण अर्थ खोलें।

13(i)(a). कहानीकार द्वारा कहानी में वर्णित मानसिक द्वंद्व को नाटक में किस प्रकार रूपांतरित किया जा सकता है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- कहानी में लेखक पात्र के मन का वर्णन कर सकता है; नाटक में उसी द्वंद्व को मंच पर सुनने और देखने योग्य बनाना पड़ता है।
- स्वगत कथन, एकालाप, दूसरे पात्र से संवाद तथा अभिनय मानसिक द्वंद्व को व्यक्त करने के साधन हैं।

चरण 1: रूपांतरण के साधन पहचानना कहानी में वर्णित मानसिक द्वंद्व को नाटक में पात्र के स्वगत कथन या एकालाप के माध्यम से व्यक्त किया जा सकता है। जहाँ उपयुक्त हो, किसी दूसरे पात्र के साथ संवाद में उसकी परस्पर विरोधी इच्छाएँ और निर्णय की कठिनाई सामने लाई जाती है।

चरण 2: मंचीय अभिव्यक्ति स्पष्ट करना चेहरे के भाव, स्वर का उतार-चढ़ाव, विराम, हाव-भाव और मंच पर गतिविधियाँ पात्र की बेचैनी को दृश्य रूप देते हैं। उदाहरणतः वह निर्णय लेते समय रुक सकता है और अपने ही तर्क का खंडन कर सकता है। इस प्रकार कहानीकार का मनोवर्णन पात्र की वाणी और अभिनय में बदलता है।

चरण 3: निष्कर्ष मानसिक द्वंद्व को स्वगत कथन, एकालाप या संवाद तथा उपयुक्त भाव-भंगिमाओं और अभिनय के सहारे नाटकीय रूप दिया जाता है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में एक वाचिक साधन और एक अभिनय-संबंधी साधन अवश्य जोड़ें, ताकि मनोभाव का मंचीय रूप स्पष्ट हो।

अथवा

13(i)(b). "लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप" प्रसंग के आधार पर रावण और कुंभकरण के बीच हुए संवाद के दृश्य को लगभग 40 शब्दों में लिखिए। [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- संवाद का आधार रावण का सीता-हरण और कुंभकरण द्वारा उसके अनुचित आचरण की आलोचना है। संकट की घड़ी में भी कुंभकरण रावण के कुकर्म का समर्थन नहीं करता।
- नाट्य रूपांतरण में पात्र का नाम, संक्षिप्त मंच-निर्देश और उसके स्वभाव के अनुरूप कथन रखें। अपेक्षित संवाद लगभग 40 शब्दों में होना चाहिए।

चरण 1: प्रसंग और पात्रों के स्वर पहचानना रावण अपने संकट का वर्णन करता है। कुंभकरण उसे स्मरण कराता है कि सीता का हरण करके उसने अनुचित कार्य किया और पहले उचित सलाह भी नहीं ली। इसलिए संवाद में रावण की चिंता तथा कुंभकरण की स्पष्टवादिता साथ रखनी चाहिए। ये कथन प्रसंग का रूपांतरण हैं, मूल कविता की हूबहू पंक्तियाँ नहीं।

चरण 2: लगभग 40 शब्दों का संवाद रावण (चिंतित): भाई, वानरों ने हमारे अनेक वीर मार डाले; अब क्या करूँ?
कुंभकरण (क्षुब्ध): सीता का हरण करते समय मुझसे पूछा था? तुमने बुरा किया। अब मुझे जगाकर उपाय पूछते हो! अहंकार में तुमने अपना कल्याण ही भुला दिया।

चरण 3: निष्कर्ष संवाद में रावण की संकटग्रस्त स्थिति और कुंभकरण द्वारा सीता-हरण की निंदा स्पष्ट होती है। पात्रों की वाणी से प्रसंग का संघर्ष सामने आता है।

त्वरित सुझाव: संवाद को कहानी की तरह न सुनाएँ; पात्रों के नाम देकर छोटे कथनों में उनकी चिंता और प्रतिक्रिया दिखाएँ।

13(ii)(a). नए विषयों पर लेखन एक चुनौतीपूर्ण कार्य क्यों लगता है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- नए विषय पर लेखन में मौलिक चिंतन, कल्पना तथा अनुभवों का उपयोग होता है।
- विचारों को विषयानुकूल क्रम देकर प्रभावी भाषा में व्यक्त करना आवश्यक है।

चरण 1: चुनौती का कारण समझें परिचित विषयों पर सामग्री और अभिव्यक्ति का अभ्यास पहले से होता है। इसके विपरीत, नया विषय प्रायः पहले से तैयार रूपरेखा नहीं देता। इसलिए लेखक को स्वयं विचार जुटाने और विषय से उनका संबंध खोजने का प्रयास करना पड़ता है।

चरण 2: लेखन की अपेक्षाएँ पहचानें केवल जानकारी लिख देना पर्याप्त नहीं है। लेखक को अपनी कल्पना, स्मृति और अनुभव से मौलिक दृष्टि विकसित करके विचारों को क्रमबद्ध करना होता है। विषय से भटकने की आशंका तथा उपयुक्त शुरुआत और भाषा चुनने की कठिनाई भी इसे चुनौतीपूर्ण बनाती है।

चरण 3: निष्कर्ष नए विषयों पर पहले से तैयार सामग्री और अभ्यास नहीं होता। लेखक को कल्पना, अनुभव तथा स्वतंत्र चिंतन के सहारे मौलिक विचार खोजने, उन्हें क्रमबद्ध करने और उचित भाषा में व्यक्त करने की आवश्यकता होती है। इसी कारण यह कार्य चुनौतीपूर्ण लगता है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में केवल जानकारी की कमी न लिखें; मौलिक सोच और विचारों को क्रम देने की कठिनाई भी जोड़ें।

अथवा

13(ii)(b). सिनेमा या रंगमंच (दृश्य माध्यम) और रेडियो नाटक में क्या अंतर है ? [2 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रेडियो श्रव्य माध्यम है; उसमें कथ्य ध्वनि के माध्यम से व्यक्त होता है।
- सिनेमा और रंगमंच में अभिनय, दृश्य तथा ध्वनि मिलकर नाटकीय प्रभाव पैदा करते हैं।

चरण 1: दृश्य माध्यम की विशेषता बताएँ सिनेमा या रंगमंच में दर्शक पात्रों की वेशभूषा, मुखमुद्राएँ, हावभाव, मंचसज्जा और घटनाएँ देख सकता है। इसलिए पात्र की प्रतिक्रिया या स्थान का संकेत दृश्य रूप में भी मिल जाता है। संवाद के बिना भी बहुत कुछ व्यक्त किया जा सकता है।

चरण 2: रेडियो नाटक का अंतर स्पष्ट करें रेडियो पर दृश्य उपलब्ध नहीं होते। वहाँ संवाद, स्वर के उतार-चढ़ाव, ध्वनि प्रभाव और संगीत से पात्र, वातावरण तथा क्रिया का बोध कराया जाता है। श्रोता सुनकर अपने मन में दृश्य रचता है; इसलिए कथानक को समझाने में ध्वनियों की स्पष्टता विशेष महत्त्व रखती है।

चरण 3: निष्कर्ष सिनेमा और रंगमंच दृश्य-श्रव्य माध्यम हैं, जहाँ अभिनय, हावभाव, वेशभूषा तथा दृश्य-सज्जा देखी जा सकती है। रेडियो नाटक केवल श्रव्य होता है। उसमें संवाद, आवाज़, संगीत और ध्वनि प्रभावों से दृश्य तथा वातावरण का बोध कराया जाता है।

त्वरित सुझाव: तुलना का आधार माध्यम रखें: दृश्य माध्यम में जो दिखता है, रेडियो में वही ध्वनि से समझाया जाता है।

14(क). निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :
तकनीकी विकास के बावजूद हिन्दी की वेब पत्रकारिता अपने शैशवकाल में ही क्यों है ? इसके विकास के लिए क्या आवश्यक है ?

[3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- वेब पत्रकारिता के विकास में तकनीक के साथ उपयोगकर्ता, भाषा और मौलिक सामग्री की उपलब्धता भी आवश्यक है।
- हिन्दी के विभिन्न फ़ॉन्टों और कुंजीपटल की असंगतता ने पाठकों तथा पत्रकारों के सामने बाधाएँ उत्पन्न कीं।

चरण 1: शैशवकाल के कारण स्पष्ट करें तकनीकी साधनों का विकसित होना अपने-आप हिन्दी की वेब पत्रकारिता की परिपक्वता सुनिश्चित नहीं करता। हिन्दी में फ़ॉन्ट तथा कुंजीपटल संबंधी एकरूपता का अभाव, सीमित इंटरनेट पहुँच और पर्याप्त प्रशिक्षित कर्मियों की कमी इसके प्रसार में बाधक रहे हैं। केवल मुद्रित समाचारों को वेबसाइट पर डाल देना भी स्वतंत्र वेब पत्रकारिता का पूरा विकास नहीं है।

चरण 2: विकास की आवश्यकताएँ बताएँ हिन्दी में सहज टंकण और सुगम पाठन की व्यवस्था के साथ तकनीकी मानकीकरण आवश्यक है। इंटरनेट का व्यापक प्रसार, प्रशिक्षित पत्रकार और विश्वसनीय मौलिक सामग्री भी चाहिए। उत्तर में समस्या तथा उपाय दोनों रखने से स्पष्ट होता है कि तकनीक को उपयोगी पत्रकारिता में बदलना क्यों आवश्यक है।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर तकनीकी विकास के बावजूद हिन्दी की वेब पत्रकारिता में फ़ॉन्ट और कुंजीपटल की एकरूपता का अभाव, सीमित इंटरनेट पहुँच तथा मौलिक सामग्री की कमी जैसी बाधाएँ हैं। अनेक वेबसाइटें मुद्रित सामग्री पर निर्भर हैं। इसके विकास के लिए तकनीकी मानकीकरण, सहज हिन्दी टंकण, प्रशिक्षित पत्रकार, विश्वसनीय मौलिक सामग्री और व्यापक पाठकवर्ग आवश्यक हैं। इससे इसकी उपयोगिता तथा पहुँच बढ़ेगी।

चरण 4: निष्कर्ष हिन्दी वेब पत्रकारिता की प्रगति के लिए तकनीकी सुगमता और गुणवत्तापूर्ण मौलिक पत्रकारिता का साथ-साथ विकास आवश्यक है।

त्वरित सुझाव: उत्तर में एक ओर विकास की बाधाएँ और दूसरी ओर उनसे जुड़े उपाय रखें; केवल इंटरनेट की चर्चा पर्याप्त नहीं है।

14(ख). निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :

मुद्रित माध्यमों की तुलना में भाषा-शैली के स्तर पर रेडियो और टी.वी. पर प्रस्तुत किए जाने वाले समाचारों में विशेष सावधानी क्यों बरतनी चाहिए ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- रेडियो और टेलीविजन के समाचार श्रवण के क्षण में ही समझ में आने चाहिए।
- मुद्रित समाचार को दोबारा पढ़ा जा सकता है; सामान्य प्रसारण में श्रोता समाचार की गति नियंत्रित नहीं करता।

चरण 1: मुद्रित और प्रसारित समाचार का अंतर समझें पाठक किसी कठिन शब्द अथवा वाक्य को दोबारा पढ़कर उसका अर्थ ग्रहण कर सकता है। रेडियो और टेलीविजन के प्रसारण में समाचार आगे बढ़ता रहता है। कोई बात छूट जाने पर श्रोता या दर्शक सामान्यतः उसे उसी क्षण फिर से नहीं सुन सकता। इस कारण पहली बार सुनते ही अर्थ स्पष्ट होना चाहिए।

चरण 2: भाषा पर इसका प्रभाव बताएँ समाचार छोटे वाक्यों, प्रचलित शब्दों और स्वाभाविक बोलचाल की भाषा में प्रस्तुत किए जाने चाहिए। जटिल वाक्य, अस्पष्ट संदर्भ और कठिन शब्द अर्थ ग्रहण करने में बाधा डालते हैं। स्पष्ट उच्चारण तथा सही विराम भी आवश्यक हैं। टेलीविजन में भाषा और दृश्य का मेल बना रहना चाहिए ताकि दोनों मिलकर एक ही सूचना स्पष्ट करें।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में उत्तर मुद्रित समाचार पाठक अपनी गति से पढ़कर कठिन अंश दोबारा समझ सकता है। रेडियो और टी.वी. के समाचार प्रसारण के साथ आगे बढ़ते हैं; छूटी बात तुरंत फिर नहीं सुनी जा सकती। इसलिए भाषा सरल, सहज और बोलचाल की हो, वाक्य छोटे हों तथा उच्चारण स्पष्ट हो। कठिन शब्द, जटिल वाक्य और अस्पष्ट संदर्भ तत्काल समझ में बाधा डालते हैं।

चरण 4: निष्कर्ष प्रसारण समाचारों की भाषा ऐसी होनी चाहिए कि श्रोता या दर्शक पहली बार सुनते ही सूचना का सही अर्थ समझ ले।

त्वरित सुझाव: कारण बताते समय दोबारा पढ़ सकने और प्रसारण के आगे बढ़ते रहने का अंतर लिखें, फिर भाषा की अपेक्षाएँ जोड़ें।

14(ग). निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए :

समाचार-पत्रों में अगर आर्थिक जगत से जुड़ी खबरें न हों तो वह संपूर्ण नहीं माना जाएगा, क्यों ? [3 अंक]

हल:

अवधारणा:

- समाचार-पत्र का दायित्व समाज के विविध क्षेत्रों की महत्त्वपूर्ण और उपयोगी जानकारी देना है। आर्थिक गतिविधियाँ भी सार्वजनिक जीवन का अभिन्न अंग हैं।
- आर्थिक पत्रकारिता उत्पादन, व्यापार, रोजगार, बाजार, बजट और सरकारी आर्थिक नीतियों की जानकारी देकर पाठक को उनके प्रभाव समझने में सहायता करती है।

चरण 1: आर्थिक समाचारों की आवश्यकता समझना प्रश्न में समाचार-पत्र की संपूर्णता को आर्थिक खबरों की उपस्थिति से जोड़ा गया है। इसलिए उत्तर का आधार यह होगा कि अर्थव्यवस्था केवल उद्योगपतियों या व्यापारियों का विषय नहीं है। वस्तुओं के दाम, नौकरी के अवसर, कृषि, बचत और सरकारी कर सामान्य व्यक्ति के जीवन को भी सीधे प्रभावित करते हैं। इनकी जानकारी के बिना पाठक अपने परिवेश को पूरी तरह नहीं समझ सकता।

चरण 2: उत्तर में मुख्य बिंदुओं को क्रम देना पहले आर्थिक जीवन और दैनिक आवश्यकताओं का संबंध स्पष्ट करना चाहिए। फिर आर्थिक खबरों के प्रमुख क्षेत्रों के उदाहरण देने चाहिए। अंत में यह बताना चाहिए कि ऐसी जानकारी नागरिकों के निर्णयों और जागरूकता के लिए आवश्यक है। उत्तर को विषय पर केंद्रित रखते हुए लगभग 60 शब्दों में प्रस्तुत किया जा सकता है।

चरण 3: लगभग 60 शब्दों में आदर्श उत्तर आर्थिक गतिविधियाँ प्रत्येक व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करती हैं। महँगाई, रोजगार, कृषि, उद्योग, व्यापार, बजट और बाजार की स्थिति से संबंधित समाचार पाठकों को देश की अर्थव्यवस्था तथा अपनी आजीविका की जानकारी देते हैं। इनके आधार पर लोग खरीदारी, बचत और निवेश के निर्णय लेते हैं। इसलिए आर्थिक जगत की खबरों के बिना समाचार-पत्र समाज के समग्र जीवन का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकता।

चरण 4: निष्कर्ष आर्थिक समाचार जनजीवन से सीधे जुड़े हैं; उनके अभाव में समाचार-पत्र का सामाजिक चित्र और पाठक को मिलने वाली जानकारी अधूरी रह जाएगी।

त्वरित सुझाव: उत्तर में महँगाई और रोजगार जैसे दैनिक जीवन के उदाहरण देकर उन्हें समाचार-पत्र के समग्र सूचना देने के दायित्व से जोड़ें।